दैनिक

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

RNI. No. 69062/94

निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 31 | अंक: 229 | भोपाल, मंगलवार 1 सितंबर 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है

दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है

: संपर्क :

9425023929

राम मंदिर चढ़ावा चोरी: चंपत राय की डायरी में दर्ज है पूरा घटनाक्रम, नृपेंद्र मिश्र ने पूछा था एफआईआर क्यों नहीं

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे की रकम चोरी होने के मामले में शुरूआत में एफआईआर दर्ज नहीं कराने के पीछे सिर्फ जांच प्रक्रिया लंबी खिंचने की आशंका नहीं थी, बल्कि आगामी विधानसभा चुनाव पर संभावित राजनीतिक असर की चिंता भी सामने आई थी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के तत्कालीन महासचिव चंपत राय की डायरी में दर्ज घटनाक्रम में इसका जिक्र है। डायरी के मुताबिक, चंपत राय ने आठ जून को अयोध्या पहुंचे मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र और अनूप मित्तल को चार जून से सामने आए पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पीएफसी भवन में हुई इस बैठक में डॉ. अनिल मिश्र और गोपाल राव भी मौजूद थे। इसी दौरान नृपेंद्र मिश्र ने सवाल उठाया कि मामले में अब तक पुलिस में एफआईआर क्यों नहीं कराई गई। चंपत राय ने जवाब दिया कि एफआईआर दर्ज होते ही मामला पूरी तरह पुलिस के अधिकार क्षेत्र में चला जाता। इसके बाद पुलिस अपनी निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच करती और यह पता लगाना मुश्किल होता कि कार्रवाई कितने समय तक चलती। डायरी में यह भी दर्ज है कि तब तक चोरी की रकम का बड़ा हिस्सा खुर्द-बुर्द किए जाने की आशंका थी।

होर्मुज पर फिर टकराए अमेरिका-ईरान, अब निशाने पर दुनिया की तेल सप्लाई

लारक द्वीप पर अमेरिकी हमला, ईरान ने जॉर्डन पर दागी मिसाइलें

करीब एक महीने बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध का नया मोर्चा अब उस समुद्री रास्ते पर खुलता दिखाई दे रहा है, जहां से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। करीब एक महीने बाद अमेरिकी सेना ने ईरान के लारक द्वीप पर दो रॉकेट लॉन्चर्स को निशाना बनाया। अमेरिका का दावा है कि ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड्स होर्मुज स्ट्रेट में रॉकेट और समुद्री बारूदी सुरंगें तैनात करने की तैयारी कर रहे थे। हमले के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई का दावा करते हुए जॉर्डन में मौजूद दो अमेरिकी एयरबेस पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने की बात कही। हालांकि, जॉर्डन की एयर डिफेंस द्वारा मिसाइलों को इंटरसेप्ट किए जाने की रिपोर्ट भी सामने आई है। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल अमेरिका-ईरान की जवाबी कार्रवाई से आगे का है-अगर होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई तो दुनिया के तेल बाजार का क्या होगा? लारक द्वीप की भौगोलिक स्थिति इस हमले को बेहद महत्वपूर्ण बनाती है।

ईरान की नई रणनीति ने बढ़ाई चिंता

रिपोर्टों के मुताबिक ईरान होर्मुज के आसपास से गुजरने वाले टैंकरों की जांच कर रहा है और स्ट्रेट पार करने के लिए भारी शुल्क वसूल रहा है। साथ ही समुद्री बारूदी सुरंगों की आशंका ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका पिछले सप्ताह अंतरराष्ट्रीय शिपिंग रूट से समुद्री बारूदी सुरंगें हटाने का अभियान पूरा करने का दावा कर चुका है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि होर्मुज में नई सुरंगें बिछाने की किसी भी कोशिश को सैन्य कार्रवाई से रोका जाएगा। इससे साफ है कि अमेरिका अब होर्मुज की सुरक्षा को केवल निगरानी के तौर पर नहीं, बल्कि सैन्य नियंत्रण के सवाल से जोड़ रहा है।

दो रास्तों में बंट गया होर्मुज

तनाव बढ़ने के बाद होर्मुज स्ट्रेट की समुद्री आवाजाही भी रणनीतिक रूप से दो हिस्सों में देखी जा रही है। उत्तरी हिस्से में ईरान के तट के करीब, लारक और किश्म द्वीपों के आसपास से गुजरता है। यह ईरान के बंदरगाहों और तेल टर्मिनलों के लिहाज से महत्वपूर्ण है। दक्षिणी हिस्से में ओमान के करीब और ईरानी तट से अपेक्षाकृत दूर है। अमेरिका इसी रास्ते से जहाजों की आवाजाही को प्राथमिकता देने की कोशिश कर रहा है। इसका मतलब है कि युद्ध ने अब समुद्री व्यापार के लिए भी एक तरह का सुरक्षित बनाम जोखिम वाले रास्ते का समीकरण पैदा कर दिया है।

यह ईरान के बंदर अब्बास के नजदीक और होर्मुज स्ट्रेट के बीच में स्थित है। यही वह समुद्री मार्ग है, जिससे युद्ध से पहले दुनिया के इस्तेमाल होने वाले करीब पांचवें हिस्से के तेल और बड़ी मात्रा में एलएनजी की आवाजाही होती थी। इसलिए यहां किसी भी तरह की सैन्य गतिविधि का असर केवल अमेरिका और ईरान तक सीमित नहीं रहेगा। टैंकरों की आवाजाही बाधित हुई तो बीमा लागत, शिपिंग खर्च और कच्चे तेल की कीमतों पर तत्काल दबाव आ सकता है। यानी लारक द्वीप पर दागी गई मिसाइलों का असर हजारों किलोमीटर दूर तेल बाजारों तक पहुंच सकता है।

बड़े कॉरपोरेट डिफॉल्टरों पर बैंकों की मेहरबानी... 22 हजार करोड़ के हेयरकट मामले के बाद सामने आया बड़ा फर्जीवाड़ा...

11.22 लाख करोड़ के दावों में 7.89 लाख करोड़ की 'हेयरकट'

लैंको थर्मल पावर, जयम एनर्जी, जयम स्टील, डेक्स एक्सपोर्ट्स और एरा इंफ्रा जैसी कंपनियों के कर्ज का बड़ा हिस्सा माफ कर दी गई भारी राहत

छोटे कर्जदारों पर सख्ती, बड़े डिफॉल्टरों को भारी राहत के इन मामलों से आमजन में आक्रोश

नई दिल्ली। मीडिया कारोबारी सुभाष चंद्रा के 22,006.57 करोड़ के कर्ज को 6.5 करोड़ रुपये के भुगतान पर सेटल करने की मंजूरी के बाद देश में बवाल मच गया है। क्योंकि कर्जदाताओं को उनके द्वारा किए गए दावों का करीब 0.03 फीसदी ही मिलना है यानी करीब 99.97 फीसदी का नुकसान बैंकों को होगा। इसे बिजनेस की भाषा में हेयरकट कहा जा रहा है। इसका मतलब होता है कि किसी कर्ज या वित्तीय दावे की पूरी रकम के बजाय उसका सिर्फ एक हिस्सा ही वसूल हो पाए। इसके साथ ही बड़े कॉरपोरेट कर्जदारों के डिफॉल्ट के बाद बैंकों को होने वाली वसूली और ह्यहेयरकटह्व एक बार फिर बहस के केंद्र में है। सामने आए आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2024 के अंत तक कॉरपोरेट डिफॉल्ट से जुड़े करीब 11.22 लाख करोड़ रूपए के दावों में बैंकों ने लगभग 7.89 लाख करोड़ रूपए की राशि हेयरकट के रूप में स्वीकार की। यानी दावों की तुलना में औसतन करीब 69 प्रतिशत राशि की वसूली नहीं हो सकी। बड़े कॉरपोरेट कर्जदारों के डिफॉल्ट के बाद बैंकों को होने वाली वसूली और हेयरकट (कर्ज माफी) एक बार फिर बहस के केंद्र में है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि दिवालिया समाधान प्रक्रिया और सेटलमेंट के जरिए कई बड़े कॉरपोरेट मामलों में बैंकों ने हजारों करोड़ रुपये के दावों के मुकाबले बेहद कम रकम स्वीकार की। पेश आंकड़ों ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या बैंकिंग व्यवस्था में बड़े कर्जदारों के लिए कर्ज से निकलने का रास्ता छोटे कर्जदारों की तुलना में आसान है? दावा किया गया है कि 2024 के अंत तक कॉरपोरेट डिफॉल्ट से जुड़े करीब 11.44 लाख रूपए करोड़ के दावों में लगभग 7.89 लाख रूपए करोड़ की राशि हेयरकट के रूप में स्वीकार की गई। इसके आधार पर औसत हेयरकट करीब 69 प्रतिशत बताया गया है। सरल शब्दों में कहें तो बैंकों के हर 100 के दावे के मुकाबले औसतन करीब 31 की ही वसूली हुई और शेष राशि कटौती के रूप में चली गई। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना जरूरी है कि हेयरकट को सीधे-सीधे बैंक का नकद नुकसान मानना हमेशा सही नहीं होता। आईबीसी में किसी कंपनी की परिसंपत्तियों की वास्तविक वसूली क्षमता, परिसमापन की संभावित रकम, समय की लागत और समाधान योजना जैसे कई कारक तय करते हैं कि बैंक कितना स्वीकार करते हैं।

दावे और वसूली के बीच बड़ा अंतर कई कॉरपोरेट मामलों के उदाहरण देकर भारी कटौती का दावा किया गया है। लैंको थर्मल पावर के मामले में करीब 3,331 करोड़ रूपए के दावे के मुकाबले लगभग 136 रूपए करोड़ की वसूली का उल्लेख है। जियान एनर्जी के लिए करीब 5,403 रूपए करोड़ के दावे के मुकाबले लगभग 18 रूपए करोड़ और जय?न स्टील के 5,368 रूपए करोड़ के दावे के मुकाबले करीब 15 रूपए करोड़ की वसूली का दावा किया गया है। डैश एक्सपोर्ट्स के करीब 4,838 रूपए करोड़ के दावे के मुकाबले लगभग 27 रूपए करोड़ तथा एरा इंफ्रा इंजीनियरिंग के करीब 21,946 रूपए करोड़ के दावे के मुकाबले 2,091 रूपए करोड़ की वसूली का उल्लेख भी वीडियो में है। जेट एयरवेज के मामले में भी 15,432 रूपए करोड़ के दावे के मुकाबले करीब 1,133 रूपए करोड़ की वसूली का दावा किया गया है।

चीन के सैन्य नियमों में बड़ा बदलाव

राष्ट्रपति की मंजूरी के बिना सेना कर सकती है कार्रवाई

बीजिंग। चीन ने अपने सैनिकों की तैनाती को लेकर नए नियम जारी किए हैं। इसके तहत अब किसी भी देश पर जवाबी कार्रवाई के लिए सेना को राष्ट्रपति की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी। सेना के अधिकारी अपने स्तर पर हमले का फैसला ले सकते हैं। ताइवान, जापान और फिलिपींस से युद्ध की आशंकाओं के बीच चीन ने यह बड़ा बदलाव किया है। चीन की सरकारी मीडिया के मुताबिक 1 अक्टूबर से नए कानून अमल में आ जाएंगे। 16 साल बाद चीन ने सैनिकों की तैनाती को लेकर नया कानून बनाया है। 82 अनुच्छेदों वाले इस कानून में राष्ट्रपति, सेना प्रमुख और मोर्चे पर तैनात सिपाहियों की भूमिका के बारे में विस्तार से बताया गया है। राष्ट्रपति से परमिशन लेने की जरूरत नहीं सैन्य तैनाती को लेकर बनाए गए नए कानून के मुताबिक अब सेना को किसी भी देश के खिलाफ जवाबी कार्रवाई के लिए राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं लेनी होगी। पहले जो नियम था, इसके मुताबिक एक प्लान को राष्ट्रपति के पास भेजना होता था। इसके बाद जवाबी कार्रवाई की मंजूरी मिलती थी। अब कहा गया है कि सेना अपने स्तर से कार्रवाई करेगी और उसके बाद रिपोर्ट राष्ट्रपति और विधायिका को सौंप देगी। हालांकि, बड़े मसले में केंद्रीय सैन्य आयोग को कन्फिडेंस में लेने की बात कही गई है। सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार नए सैन्य तैनाती कानून में कहा गया है कि लड़ाई के वक्त चीन की सरकार और सेना सोशल मीडिया पर पूर्ण प्रतिबंध लगा सकेगी। किसी भी नागरिक को विवादित पोस्ट शेयर करने का अधिकार नहीं होगा। ऐसे पोस्ट को फर्जी करार देकर सेना के पास एक्शन का अधिकार होगा। इसके अलावा उसके पास फेक न्यूज रोकने के लिए दूसरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी बैन लगाने की पूरी आजादी रहेगी। वहीं सेना में भर्ती की आयु में चीन ने कोई बदलाव नहीं किया है। हालांकि, नए नियमों में कहा गया है कि जो लोग युद्ध राहत, बचाव कार्यों में लगे होंगे, उन्हें सेना में शामिल नहीं किया जा सकता वहीं जब सेना जवाबी कार्रवाई कर रही होगी, तब उसके पास पूरे चीन में परिवहन, दूरसंचार, सूचना नेटवर्क, ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, भोजन और वाणिज्य पर नियंत्रण लागू करने का अधिकार होगा।

सार-समाचार

सिंगर हत्याकांड के 2 शूटर एनकाउंटर में ढेर

शामली। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड के दो शूटरों सुमित और मोहित को यूपी पुलिस ने सोमवार सुबह मुठभेड़ में मार गिराया। शामली एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों शूटर बाइक से शामली से सोनीपत (हरियाणा) की तरफ भाग रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उन्हें घेर लिया। पकड़े जाने के डर से आरोपियों ने फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस को भी फायरिंग करनी पड़ी। दोनों तरफ से करीब 20 राउंड गोलियां चलीं। इसमें बदमाश सुमित (24) और मोहित (22) को गोली लग गई। पुलिस दोनों को जिला अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सुमित और मोहित सोनीपत के रहने वाले थे। दोनों पर 50-50 हजार रुपए का इनाम था।

ठग सुकेश चंद्रशेखर को 8 साल की जेल

नई दिल्ली। दिल्ली की तीस हजारी कोर्ट ने ठग सुकेश चंद्रशेखर को सुप्रीम कोर्ट के जज का रूप धारण करने और एक ज्यूडिशियल ऑफिसर पर जमानत के लिए दबाव डालने की कोशिश करने के लिए 8 साल जेल की सजा सुनाई है। तीस हजारी कोर्ट की चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट हर्षिता मिश्रा ने पहले चंद्रशेखर को इंडियन पीनल कोड की धारा 170 (पब्लिक सर्वेंट का रूप धारण करना), 189 (पब्लिक सर्वेंट को चोट पहुंचाने की धमकी) और 507 (गुमनाम बातचीत के जरिए क्रिमिनल धमकी) के तहत दोषी पाया था। 29 अगस्त को, जज ने धारा 170 और 189 के तहत अपराधों के लिए 2-2 साल और धारा 507 के तहत 4 साल की सजा सुनाई, और निर्देश दिया कि सजाएं एक साथ चलने के बजाय एक के बाद एक चलेंगी।

सोसाइटी का साइकिल पर 15 लाख जुमार्ना

मुंबई। मुंबई समेत महाराष्ट्र में हाउसिंग सोसाइटियों और फ्लैट मालिकों के बीच विवाद अक्सर अदालतों तक पहुंच जाते हैं। आपने देखा होगा कि रखरखाव और जुमार्ने से जुड़े कई ऐसे मामले सामने आए जो अदालतों तक पहुंचे। हाल ही में मुंबई की एक सोसाइटी ने साइकिल पार्किंग के लिए एक फ्लैट मालिक पर 15 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया था। हाई कोर्ट ने इस फ्लैट मालिक को राहत दी है। जानकारी के अनुसार, इमारत में रहने वाले दो फ्लैट मालिकों ने 11 साल तक सीढि?ों पर खुली जगह में साइकिल खड़ी रखी थी। इसके लिए मुंबई की एक हाउसिंग सोसाइटी ने फ्लैट के दो सदस्यों पर 15 लाख 45 हजार 730 रुपये का जुमार्ना लगाया था। इस फैसले को सहकारी उप-पंजीयक ने बरकरार रखा था। सोसाइटी और फ्लैट मालिक के बीच विवाद उच्च न्यायालय तक पहुंच गया।

पटाखा गोदाम में धमाका, 10 की मौत

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के कौशांबी में पटाखा गोदाम में ब्लास्ट हो गया। ये धमाका इतना भीषण था कि इसमें 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं, कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। मामला कौशांबीऔर प्रयागराज बॉर्डर पर थाना पिपरी और पूरामुफ्ती क्षेत्र की सीमा के पास आदित्य नाम से संचालित बताए जा रहे पटाखा गोदाम है। सोमवार सुबह करीब 11 बजे यहां भीषण विस्फोट होने से इलाके में हडकंप मच गया। धमाके की चपेट में आकर आसपास के कई मकानों के क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार, लाइसेंस में 10 किलो से अधिक बारूद रखने की अनुमति नहीं होती है। लेकिन इतना बड़ा विस्फोट होने से आशंका जताई जा रही है।

स्लीपर बस में छात्रा से गैंगरेप

नई दिल्ली। दिल्ली में 16 साल की छात्रा से चलती स्लीपर बस में गैंगरेप का मामला सामने आया है। घटना 4 अगस्त की है, पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, पीड़ित परी चौक पर बस में बैठी। आरोपियों ने उसे कश्मीरी गेट पर छोड़ा। इस दौरान बस करीब 47 किमी सडक पर दौड़ती रही। बस के शीशे पर पर्दे लगे थे। पुलिस ने बस ड्राइवर कुलदीप और कंडक्टर संदीप को गिरफ्तार किया है। पीड़िता उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की रहने वाली और 11वीं कक्षा की छात्रा है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, पीड़ित का अपने घर पर झगड़ा हुआ था। जिसके बाद वह रात में परिवार को बिना बताए घर से निकल गई। वह नोएडा में रहने वाले अपने कजिन से मिलने जा रही थी। भारी बारिश और अंधेरा होने के कारण वह गलती से परी चौक पर उतर गई। इसी दौरान वहां से एक खाली स्लीपर बस गुजरी। छात्रा ने बारिश में फंसने के बाद मदद मांगी और बस को रुकने का इशारा किया।

विजय शाह के आतंकवादियों की बहन केस में एसआईटी जांच पूरी

सुप्रीम कोर्ट बोला- राज्यपाल को फैसला लेने दीजिए; मुकदमे की मंजूरी पर दखल से इनकार

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह की कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई विवादित टिप्पणी के मामले में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शाह ने कर्नल कुरैशी को आतंकवादियों की बहन कहा था। उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर को चुनौती देते हुए शाह ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) ने बताया कि मामले की जांच पूरी हो चुकी है। जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट के सामने पेश कर दी गई है। हालांकि, विजय शाह के खिलाफ अभियोजन चलाने की मंजूरी अभी राज्यपाल के स्तर पर लंबित है। सुप्रीम कोर्ट को राज्यपाल के फैसले का इंतजार मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ के सामने सुनवाई हुई। एसआईटी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने बताया कि अभियोजन की मंजूरी के लिए राज्य सरकार की ओर से की गई सिफारिश पर राज्यपाल

के स्तर पर फैसला होना बाकी है। इस पर न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने कहा कि राज्यपाल को इस पर फैसला लेने दिया जाए। सीजेआई सूर्यकांत ने भी कहा कि जांच रिपोर्ट सक्षम प्राधिकारी के सामने जानी है।

नेपाल में अब तक 919 की मौत, 4 हजार से ज्यादा लोग गायब

काठमांडू। नेपाल में आई बाढ़ में कम से कम 919 लोगों की मौत हो गई है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि अधिकारी बड़ी संख्या में शवों के निपटान में जूझ रहे हैं। फ्रीजर में जगह कम होने के कारण अधिकारियों ने लगभग 200 अज्ञात शवों को दफना दिया। चीनी अधिकारियों ने कम से कम 16 मौतों की सूचना दी है और दोनों देशों में अनुमान के मुताबिक, अब तक 4 हजार लोगों के लापता होने का दावा किया गया है। लंबे समय तक पानी में रहने से कई शव खराब हो गए हैं, जिससे पहचान मुश्किल हो रही है। हर शव को पहचान नंबर देकर रिकॉर्ड किया जा रहा है। बाद में डीएनए जांच के जरिए पहचान कर शव परिजनों को सौंपने की कोशिश होगी। बाढ़ के बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स की सुरंगों में फंसे लोगों को निकालने का अभियान जारी है। त्रिशूली-3ए समेत कई प्रोजेक्ट्स की सुरंगों के मुहाने से मलबा और कीचड़ हटाया जा रहा है।

धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना हमारी प्राथमिकता है : मुख्यमंत्री

ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केन्द्र के रूप में किया जा रहा है विकसित

- **भव्य रामराजा लोक से निखरेगी बुंदेलखंड की पहचान, स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को मिलेगा बढ़ावा**
- **राम-कृष्ण पथ का विकास : मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थलों को आपस में जोड़ने की योजना**

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ओरछा का राम राजा मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा है। यहां के मंदिर एवं महल तत्कालीन समृद्ध स्थापत्य के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जो हमें हमारी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। ये तत्कालीन उन्नत तकनीक और स्थापत्य के भी अद्भुत उदाहरण हैं, पहले एअर कंडीशनर नहीं होते थे, लेकिन यहां के भवन वातानुकूलित बने है, जो गर्मी में ठंडे और ठंड में गर्मी का एहसास कराते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज ओरछा स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र श्री रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा में यह विचार-व्यक्त किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निमार्णाधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिष्ठान संचालकों से संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक एवं समृद्ध स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को निरीक्षण के दौरान आर्किटेक्ट द्वारा मंदिर परिसर स्थित प्राचीन एवं ऐतिहासिक सावन-भादो स्तंभों के संरक्षण एवं उनके स्थापत्य महत्व के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। बताया कि रामराजा लोक की संरचना एवं विकास कार्यों को आकार देते समय मंदिर परिसर की प्राचीन धरोहरों, विशेषकर ह्यसावन-भादोह्ल स्तंभों के मूल स्वरूप एवं ऐतिहासिक महत्व का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। बुंदेलखंड की विशिष्ट स्थापत्य कला के प्रतीक इन प्राचीन स्तंभों की संरचना एवं निर्माण शैली अपने समय की उन्नत तकनीक को दशार्ती है। नए निर्माण कार्यों के दौरान इन प्राचीन संरचनाओं को किसी प्रकार की क्षति नही पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखते हुए उनके आसपास के क्षेत्र को व्यवस्थित, सुंदर एवं श्रद्धालुओं के लिए सुगम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे गौरवशाली बुन्देला राजाओं का ओरछा बुंदेलखंड की राजधानी के रूप पहचाना जाता था। यहां के प्राचीन महल और भवन, हमारी समृद्ध विरासत हैं, उसे जीवंत करने के लिए सरकार काम कर रही है। तत्कालीन समय में निर्माण कार्यों में जिस प्रकार की सामग्री लगाई जाती थी, उसी सामग्री से भवनों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य यह है कि हमारे गौरवशाली अतीत के प्रतीक ये भवन उसी स्वरूप में दिखें जिस स्वरूप में वह वर्षों पहले थे। इसके लिए हमारे अधिकारियों के नेतृत्व और मार्गदर्शन में कुशल कारीगर काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्री महाकाल महालोक के निर्माण के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, उज्जैन की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव आया है। इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश के प्रमुख तीर्थस्थलों जैसे ओरछा, चित्रकूट, दतिया, नलखेड़ा, पशुपतिनाथ मंदसौर आदि का भी समग्र विकास किया जा रहा है। इससे धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। भगवान श्रीराम ने अपने 14 वर्ष के वनवास में, लम्बी अवधि चित्रकूट में व्यतीत की। भगवान श्रीकृष्ण की जहां शिक्षा भी हुई, उज्जैन के सांदीपनि आश्रम सहित भगवान श्रीकृष्ण की जहां-जहां लीलाएं हुईं, उन सब स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जाएगा। हमारी गौरवशाली विरासत को धार्मिक सांस्कृतिक भावनाओं के अनुरूप आने वाली पीढ़ियों से जोड़ने और उन्हें इस अतीत से परिचित कराने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित हैं, इन्हें संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। ओरछा में भव्य श्री रामराजा लोक का निर्माण किया जा रहा है, जो आने वाले समय में देश-दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख तीर्थस्थल बनेगा। इस अवसर पर श्री शिवप्रकाश, वरिष्ठ विधायक श्री हेमंत खंडेलवाल, राज्यसभा सांसद श्री महेश केवट, पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा, विधायक निवाड़ी श्री अनिल जैन, श्री राजेश पटेरिया, अन्य जनप्रतिनिधि, कमिश्नर सागर श्री अनिल सुचारी, आईजी श्री मिथलेश शुक्ला, जिले के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

रामराजा लोक के स्थापत्य मॉडल का किया अवलोकन

संपादकीय

बेरहम छंटाई: तेलंगाना और कर्नाटक की मतदाता सूचियां

भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) द्वारा चलाई जा रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की वजह से देश के विभिन्न हिस्सों में लोगों के मतदान का अधिकार छिनने का मामला साफ तौर पर सामने आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट से आगे बढ़ने की इजाजत मिलने के बाद आक्रामक तरीके से, एसआईआर ने अब तेलंगाना और कर्नाटक में मतदाता सूचियों से पांचवें हिस्से के बराबर नाम - जो क्रमशः लगभग 22 फीसदी और 19.5 फीसदी हैं - हटा दिए हैं और हटाए गए नामों की यह तादाद देश में सबसे ज्यादा है। सबसे ज्यादा छंटाई इन दोनों राज्यों की राजधानियों में हुई है - बेंगलुरु में पांच निर्वाचन क्षेत्रों में आधे से ज्यादा मतदाता कम हो गए हैं, जबकि हैदराबाद के 15 में से नौ क्षेत्रों में 40 फीसदी से ज्यादा मतदाता हटा दिए गए हैं। इस किस्म की कटौतियां महज किनारों पर मौजूद फालतू हिस्सों को छांटने तक ही सीमित नहीं हो सकतीं। अगर ये बातें सही हैं, तो ईसीआई की अपनी संक्षिप्त पुनरीक्षण (समरी रिविजन) प्रक्रियाओं के कारण हाल के चुनावों में मतदाता सूचियों में जरूरत से ज्यादा नाम शामिल हो गए थे और ऐसा उन जगहों पर हुआ जहां देश के दूसरे हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग आकर बसे थे। और अगर नामों को हटाने को सही ठहराना है, तो जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं, उन्हें राज्य छोड़कर जाना पड़ा होगा - क्योंकि कर्नाटक या तेलंगाना के अंदर ही कहीं और जाने पर मतदाता का नाम उसी राज्य की दूसरी जगह की मतदाता सूची में चला जाएगा, पूरी तरह से हटेगा नहीं। फिर भी, न तो हाल के सर्वेक्षण के आंकड़ों से और न ही सरकार के अपने जनसंख्या संबंधी अनुमानों से इसकी पुष्टि होती है। बिहार एसआईआर के दौरान, अदालत ने पूछा था कि राजनीतिक पार्टियों ने गलत तरीके से हटाए गए नामों को फिर से शामिल करने के लिए इतनी कम आपत्तियां क्यों दर्ज कराईं। यह सवाल इन दक्षिणी राज्यों के लिए भी मौजूं हो सकता है। इसकी एक वजह यह हो सकती है कि मतदाता पहचान-पत्र नागरिकों के लिए कुछ सालों में सिर्फ एक बार ही काम आता है, लिहाजा वे इसे लेकर ज्यादा उत्साह नहीं दिखाते। इससे यह समझा जा सकता है कि मतदाताओं पर जिम्मेदारी डालने वाली इस प्रक्रिया की वजह से इतने बड़े पैमाने पर कटौतियां क्यों होती हैं। इस बीच, ईसीआई की पारदर्शिता की कमी के चलते इन आंकड़ों में कोई ठोस सबूत साबित कर पाना मुश्किल है। आयोग द्वारा पुनरीक्षण के दौरान अब तक किसी भी राज्य का मतदाता-जनसंख्या अनुपात प्रकाशित नहीं किया गया है, जबकि ऐसा करना अनिवार्य है और यह कम पंजीकरण की जांच का एकमात्र तरीका है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने नाम हटाने की प्रक्रिया का लिंग-वार ब्योरा जारी करने की भी जहमत नहीं उठाई। इसके बजाय, उन्होंने पुरानी मतदान केंद्र संख्या के बगैर गूगल ड्राइव की कई लिंक पर सूचियां बिखेर दीं, जिससे सत्यापन का काम मुश्किल हो गया है। इस किस्म की लापरवाही का नतीजा पश्चिम बंगाल में साफ दिखता है, जहां ईसीआई की संदिग्ध तार्किक विसंगति (लॉजिकल डिसक्रेपेंसी) प्रक्रिया के कारण लाखों मतदाता अपने मतदान के अधिकार से वंचित हो गए और उन्हें अदालत की देखरेख में बने न्यायाधिकरणों में जाकर अपनी शिकायत दर्ज करानी पड़ी। चुनाव के कई महीनों बाद, सूचना के अधिकार के तहत मिले रिकॉर्ड से पता चलता है कि 19 न्यायाधिकरणों के सामने आई लगभग 38 लाख अपीलों में से बमुश्किल 82,000 अपीलों पर ही फ़ैसला हुआ है और इनमें से 90 फीसदी से ज्यादा फैसले अपना नाम वापस जुड़वाने की चाहत रखने वाले मतदाताओं के पक्ष में रहे हैं।

भयंकर तबाही का आगाज दे रही है नेपाल की विनाशकारी आपदा

नेपाल में हाल ही में आई अचानक बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई है, जिससे अब तक सेंकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है और ग सैकड़ों लोग लापता हैं। यह विनाशकारी आपदा नेपाल–चीन सीमा के पास रसुवा, नुवाकोट और धादिंग जैसे जिलों में मुख्य रूप से भोटेकोशी और त्रिशूली नदियों के उफान पर आने के कारण हुई है। वैज्ञानिकों के अनुसार, उच्च हिमालयी क्षेत्र (लैंगटांग लिरुंग) में भारी मात्रा में बर्फ और चट्टानों के मलबे (एवलांच) के नदी में गिरने से एक अस्थायी बांध बन गया, जिसके अचानक फटने से यह प्रलयकारी बाढ़ आई है। नेपाल के रसुवा जिले जिले में आई विनाशकारी बाढ़ केवल एक स्थानीय प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि यह संपूर्ण हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र में बज रही खतरे की एक गंभीर घंटी है। साथ ही इस विनाशकारी बाढ़ ने एक बार फिर यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं को केवल किसी एक देश की प्रशासनिक सीमा के भीतर समझना पर्याप्त नहीं है।

मनोज कुमार अग्रवाल

नेपाल के बाड़ पूर्वानुमान अधिकारियों के प्रारंभिक संकेत बताते हैं कि रसुवा क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर हुई अत्यधिक वर्षा ही इस आपदा का एकमात्र कारण नहीं थी। तिब्बत की ओर हुई भारी वर्षा और वहां की पर्वतीय भू-आकृतिक गतिविधियों ने भी नदी के अचानक उफान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हो सकती है। यदि विस्तृत वैज्ञानिक अध्ययन इस संभावना की पुष्टि करते करते हैं, हैं, तो तो यह घटना पूरे हिमालयी क्षेत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। हिमालय केवल पर्वतों की श्रृंखला नहीं, बल्कि एक साझा प्राकृतिक तंत्र है। यहां एक स्थान पर होने वाला भूस्खलन, हिमस्खलन, अत्यधिक वर्षा या किसी प्राकृतिक जलाशय का टूटना कुछ ही घंटों में दूसरे देश के लिए विनाशकारी बाड़ का कारण बन सकता है। इसलिए आपदा प्रबंधन की मौजूदा व्यवस्था को राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़ाकर क्षेत्रीय सहयोग की दिशा में विकसित करना समय की आवश्यकता है। हिमालय दुनिया के सबसे संवेदनशील पर्वतीय पारिस्थितिक तंत्रों में गिना जाता है। बढ़ते तापमान के कारण ग्लेशियर तेजी से पिमल रहे हैं, हिमपात का स्वरूप बदल रहा है, हिमनदीय झीलों का विस्तार हो रहा है और पर्वतीय ढलानों की स्थिरता प्रभावित हो रही है। इन परिवर्तनों के कारण ग्लेशियल लेक आउटवर्ट फ्लड यानी हिमनदीय झीलों के अचानक फटने, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ का खतरा लगातार बढ़ रहा है। नेपाल की मौजूदा बाढ़ का अंतिम वैज्ञानिक कारण विस्तृत जांच के बाद ही सामने आएगा। इसलिए किसी एक कारण को जल्दबाजी में जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा। लेकिन इस घटना को व्यापक जलवायु संकट से पूरी तरह अलग करके भी नहीं देखा जा सकता। हिमालयी क्षेत्र में हाल के वर्षों में अचानक बाढ़, भूस्खलन और हिमनदीय झीलों से जुड़ी कई घटनाएं सामने आई हैं। असली चुनौती आपदा से पहले खतरे को पहचानना और लोगों को समय रहते सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना है। हिमालयी क्षेत्रों में सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाएं, पर्यटन ढांचा और सीमा संपर्क आर्थिक विकास के लिए आवश्यक हैं। स्थानीय आबादी को रोजगार, बेहतर परिवहन और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए इन परियोजनाओं का महत्व भी असंदिग्ध है। लेकिन हिमालय की भौगोलिक परिस्थितियां मैदानी क्षेत्रों से बिल्कुल अलग हैं। यहां विकास करते समय प्रकृति की सीमाओं और भूगर्भीय संवेदनशीलता को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। नदियों के प्राकृतिक मार्ग, बाढ़ के मैदान और अस्थिर ढलान निर्माण के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्र हैं। जब ऐसे इलाकों में अनियोजित तरीके से सड़कें,

भवन या अन्य बड़ी संरचनाएं खड़ी होती हैं, तो सामान्य तो सामान्य प्राकृतिक घटना भी बड़ी आपदा का रूप ले सकती है। नेपाल की बाढ़ से जलविद्युत क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। प्रारंभिक रिपोटों के अनुसार करीब 430 मेगावाट बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की समस्या नहीं है। यह बताता है कि जलविद्युत परियोजनाओं की योजना बनाते समय जलवायु परिवर्तन, भूकंपीय संवेदनशीलता, बाढ़ और भूस्खलन के संयुक्त जोखिम का आकलन कितना आवश्यक है। नेपाल और तिब्बत के बीच हिमालय कोई अभेद्य दीवार नहीं है। नदियां, बादल, हिमनद और भूस्खलन राजनीतिक सीमाओं को नहीं पहचानते। तिब्बत में होने वाली अत्यधिक वर्षा या किसी नदी का अस्थायी रूप से अवरुद्ध होना नेपाल में कुछ ही घंटों के भीतर गंभीर संकट पैदा कर सकता है। इसलिए नेपाल और चीन के बीच वास्तविक समय में वर्षा, नदी के जलस्तर और संभावित भूस्खलन से संबंधित जानकारी साझा करने की ठोस व्यवस्था होनी चाहिए। उपग्रह निगरानी, स्वचालित जलस्तर केंद्र, साझा वैज्ञानिक अध्ययन और तेज चेतावनी प्रणाली को मजबूत करना आवश्यक है। भारत के लिए भी यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है। हिमालय से निकलने वाली नदियों का प्रवाह अंततः बड़े क्षेत्र को प्रभावित करता है। ऊपरी इलाकों में अचानक बड़ा जलप्रवाह नीचे के क्षेत्रों तक असर डाल सकता है। इसलिए नेपाल, चीन और भारत के के बीच मौसम, नदी प्रवाह और आपदा संबंधी वैज्ञानिक सूचनाओं नाओं का आदान-प्रदान केवल कूटनीतिक सहयोग का विषय नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा सवाल है। अचानक बाड़ आने पर पहली प्राथमिकता लोगों को जान बचाना होती है। सेना, पुलिस, स्थानीय प्रशासन और स्वयंसेवी संगठनों की त्वरित भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहती है। लेकिन पानी उतर जाने के बाद राहत से भी बड़ी चुनौती सामने आती है बेघर परिवारों का पुनर्वास, टूटी सड़कों और पुलों का पुनर्निर्माण, बिजली-पानी की बहाली और स्थानीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा करना। पुनर्निर्माण का अर्थ केवल टूटी संरचना को उसी स्थान पर उसी रूप में दोबारा खड़ा करना नहीं होना चाहिए। यदि कोई पुल या सड़क बार-बार याद बाढ़ की चपेट में आने वाले इलाके में उसी पुराने डिजाइन के साथ बनाई जाती है, तो अगली आपदा में नुकसान दोहराया जाना तय है। इसीलिए अब बिल्ड बैंक बेटर की सोच अपनानी होगी अर्थात ऐसी अवसंरचना तैयार की जाए जो भविष्य के जलवायु और प्राकृतिक आपदा जोखिमों को ध्यान में रखकर अधिक सुरक्षित और टिकाऊ हो। नेपाल की यह बाड़ केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं, बल्कि हिमालय में तेजी से बदलती परिस्थितियों का संकेत है। एक ओर जलवायु परिवर्तन तापमान और वर्षा के पुराने स्वरूप को बदल रहा है, तो दूसरी ओर अनियोजित निर्माण, वनों पर दबाव और संवेदनशील ढलानों पर बढ़ता मानवीय हस्तक्षेप जोखिम को बढ़ा रहा है। है। समाधान प्रकृति से से संघर्ष में नहीं, बल्कि प्रकृति की सीमाओं को समझकर विकास की दिशा तय दिशा तय करने में है। नदियों की उनका प्राकृतिक स्थान देना होगा, अस्थिर ढलानों पर निर्माण नियंत्रित करना होगा, हिमनदों और हिमनदीय झीलों की लगातार निगरानी करनी होगी और स्थानीय समुदायों को आपदा से पहले की तैयारी का प्रशिक्षण देना होगा। सबसे जरूरी बदलाव हमारी सोच में होना चाहिए। आपदा प्रबंधन का अर्थ मकेवल हादसे के बाद राहत, मुआवजा और पुनर्निर्माण नहीं है। आधुनिक आपदा प्रबंधन का वास्तविक उद्देश्य आपदा आने से पहले जोखिम पहचानना, समय पर चेतावनी देना और संभावित नुकसान को न्यूनतम करना है। हिमालय बार-बार चेतावनी दे रहा है। अब सवाल यह है कि क्या सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान और समाज इस चेतावनी को समय रहते समझेंगे, या हर नई त्रासदी के के बाद वही राहत और पुनर्निर्माण का चक्र दोहराया जाता रहेगा। हिमालय हमें सचेत कर रहा है, यदि हमने इसकी चेतावनियों को अनसुना किया, तो आने वाले समय में इसके परिणाम इससे भी अधिक भयानक और विनाशकारी होंगे।

आज का इतिहास

1813 - प्रायद्वीपीय युद्ध के अंतिम चरण में ब्रिटिश-पुर्तगाली सैनिकों ने डोनोस्टिया शहर पर कब्जा कर लिया था.

1864 - जनरल विलियम टी शेरमेन के नेतृत्व में अमेरिकी गृहयुद्ध के दौरान यूनियन बलों ने अटलांटा पर हमला किया था.

1886 - 7.0 मेगावाट से आये भूकंप से दक्षिण पूर्व दक्षिण कैरोलिना प्रभावित होता है और दक्षिण पूर्व दक्षिण कैरोलिना को 5-6 मिलियन का नुकसान हुआ था.

1897 - थॉमस एडिसन ने पहला फिल्म प्रोजेक्टर काइनेटोस्कोप पेटेंट किया था.

1919 - अमेरिकन कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ था.

1920 - पहला रेडियो न्यूज़ प्रोग्राम डेट्रोइट में सुबह 8 बजे प्रसारित किया गया था.

1941 - द्वितीय विश्व युद्धः सर्बियाई अर्धसैनिक बलों ने लोज़्निका की लड़ाई में जर्मनों को हराया था.

1943 - यूएसएस हार्मन, काले अमेरिकी व्यक्ति के नाम पर पहला अमेरिकी नौसेना जहाज नामित किया गया था.

1947 - हंगरी में सत्ता कम्युनिस्टों के हाथ में आयी थी.

1949 - ग्रामोस पर्वत पर अपनी हार के बाद अल्बानिया में ग्रीस की डेमोक्रेटिक सेना की वापसी ग्रीक गृहयुद्ध के अंत का प्रतीक थी.

1957 - मलाया संघ (अब मलेशिया) ने यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्रता प्राप्त की थी.

1962 - त्रिनिदाद और टोबैगो देश स्वतंत्र हुए थे.

1986 - एयरोमेक्सिको फ्लाइट 498 कैलिफोर्निया के कैरिटोस पर एक पाइपर पीए -28 चेरोकी के साथ टकरा गयी जिससे 15 लोगो की मौत हुई थी.

1987 - थाईलैंड एयरवेज फ्लाइट 365 थाईलैंड के फुकेत के पास महासागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 83 लोग मारे गए थे.

1991 - किर्गिस्तान ने सोवियत संघ से अपनी आजादी की घोषणा की थी.

1996 - कुर्द मसूद बरज़ानी ने अपने कुर्द प्रतिद्वंद्वी पुक को हराने में मदद के लिए अपील के बाद सद्दाम हुसैन के सैनिकों ने इरबीबल को जब्त कर लिया था.

दिल्ली-एनसीआर की हवा सुधारने को पुराने ट्रक-बस निशाने पर

विनोद सिंह तकियावाला

दिल्ली-एनसीआर की हवा को साफ करने की कोशिश में सरकार ने अब उन पहियों पर नजर डाली है,जो वर्षो से सड़कों पर दौड़ रहे हैं और जिनसे निकलने वाला धुआं हवा को लगातार जहरीला बना रहा है। प्रदूषण के कारणों की चर्चा जब भी होती है,वाहनों का नाम प्रमुखता से सामने आता है, लेकिन वाहनों की भी अपनी अलग-अलग श्रेणियां हैं।हर वाहन का प्रदूषण में योगदान एक जैसा नहीं है।खासकर पुराने ट्रक और बसें संख्या में कम होने के बावजूद प्रदूषण फैलाने में कहीं आगे हैं।इसी अंतर को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने PARIVARTAN योजना शुरू की है।परियोजना का मकसद साफ है -पुराने और ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले ट्रकों तथा बसों को सड़कों से हटाकर उनकी जगह क्क्स-ड्ढ्ढ या उससे बेहतर उत्सर्जन मानक वाले अथवा इलेक्ट्रिक वाहनों को लाया जाए। सर्वविदित रहे कि विगत 3 जून 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को मंजूरी दी और 14 जुलाई को इसे शुरू किया गया।अब 27 अगस्त तक इसके पोर्टल पर 1,300 से अधिक लाभार्थी पंजीकरण करा चुके हैं। योजना से 42 बैंक और गैर- बैंकिंग वित्तीय कंपनियां जुड़ चुकी हैं,जबकि 15 ऑटोमोबाइल कंपनियों ने पात्र वाहन मालिकों को निर्धारित छूट देने के लिए समझौते किए हैं।शुरुआत भले ही छोटी दिखाई दे, लेकिन योजना का लक्ष्य काफी बड़ा है।सरकार दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के हरियाणा,राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश के जिलों में पंजीकृत दो लाख से अधिक पुराने ट्रकों और बसों को बदलना चाहती है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक इनमें लगभग 1.91 लाख ट्रक और 16,329 बसें शामिल हैं। यह आंकड़ा इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली की हवा केवल दिल्ली की सीमा के भीतर नहीं बनती और न ही बिगड़ती है। राष्ट्रीय राजधानी में आने-जाने वाले भारी वाहन पूरे एनसीआर के परिवहन तंत्र का हिस्सा हैं। दिल्ली से बाहर का ट्रक भी दिल्ली की हवा में योगदान देता है और दिल्ली में चलने वाला ट्रक एनसीआर के किसी दूसरे शहर की हवा को प्रभावित करता है। इसलिए प्रदूषण के खिलाफ लड़ाई भी प्रशासनिक सीमाओं से बाहर जाकर ही प्रभावी हो सकती है। PARIVARTAN का दायरा दिल्ली के साथ हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के एनसीआर जिलों तक रखना इसी सोच का हिस्सा है।योजना की जरूरत को समझने के लिए कुछ आंकड़े काफी हैं।सरकार द्वारा उद्धृत आकलनों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में

परिवहन क्षेत्र का योगदान PM2.5 प्रदूषण में करीब 14 प्रतिशत, कार्बन मोनोऑक्साइड में 40 प्रतिशत और नाइट्रोजन ऑक्साइड में लगभग 63 प्रतिशत है। लेकिन असली चिंता भारी वाहनों को लेकर है।ट्रक और बसें कुल वाहन बेड़े का लगभग तीन प्रतिशत हैं,लेकिन PM2.5 उत्सर्जन में उनकी हिस्सेदारी करीब 36 प्रतिशत बताई गई है। यानी सड़क पर उनकी संख्या कम है, मगर प्रदूषण में योगदान बहुत ज्यादा है।पुराने वाहनों के मामले में स्थिति और गंभीर है। सरकारी आकलन के मुताबिक एक प्री- क्क्स भारी वाहन से होने वाला उत्सर्जन लगभग 14 BS-VI वाहनों के बराबर हो सकता है। BS-IV वाहन भी BS-VI वाहन की तुलना में करीब 2.7 गुना अधिक उत्सर्जन करता है। ऐसे में पुराने भारी वाहनों को हटाना प्रदूषण नियंत्रण की उस रणनीति का हिस्सा बन सकता है जिसमें कम संख्या में वाहनों को बदलकर अपेक्षाकृत बड़ा पर्यावरणीय लाभ हासिल किया जा सकता है।हालाँकि यहां यह समझना जरूरी है कि किसी ट्रक या बस मालिक के लिए उसका पुराना वाहन सिर्फ प्रदूषण फैलाने वाली मशीन नहीं है।वही उसकी पूंजी है,वही उसकी रोजी-रोटी है और उसी से उसके परिवार की आमदनी चलती है। ऐसे में केवल यह कह देना कि पुराना वाहन हटाइए, व्यवहारिक समाधान नहीं हो सकता।नया वाहन खरीदने के लिए बड़ी रकम चाहिए,बैंक से कर्ज लेना पड़ता है और कई वर्षों तक EMI चुकानी होती है। इसलिए यदि सरकार वास्तव में पुराने वाहनों को सड़क से हटाना चाहती है तो वाहन मालिक के सामने आर्थिक रूप से आकर्षक विकल्प रखना जरूरी है। PARIVARTAN में इसी बात पर जोर दिया गया है। पात्रता वाले वाहन मालिक को नए वाहन के ऋण पर पाँच वर्षों तक पाँच प्रतिशत ब्याज बचत का लाभ मिलेगा।नए वाहन पर दस वर्षों के लिए रोड टैक्स की पूरी छूट और पंजीकरण शुल्क से भी राहत दी गई है।दिल्ली,हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारें इस संबंध मेंअधिसूचनाएं जारी कर चुकी हैं।इसके अलावा योजना में शामिल वाहन निर्माता एक्स-शोरूम कीमत पर कम से कम आठ प्रतिशत की छूट देंगे। यानी सरकार ने वाहन बदलने की लागत को अलग-अलग स्तरों पर कम करने की कोशिश की है। ईंधन और इलेक्ट्रिक वाहन के मामले में भी योजना ने दोनों विकल्प खुले रखे हैं। BS-VI डीजल या ष्टहृत्र वाहन खरीदने वालों को वाहन की श्रेणी के अनुसार पांच वर्षों तक हर महीने 1,200 रुपये से लेकर 4,800 रुपये तक के ईंधन वाउचर मिलेंगे।इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने वालों के लिए 64,000 रुपये से लेकर 2.56 लाख रुपये तक का एकमुश्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि सरकार एक तरफ तत्काल उपलब्ध स्वच्छ तकनीक वाले क्क्स-ड्ढ्ढ वाहनों को बढ़ावा दे रही है तो दूसरी तरफ इलेक्ट्रिक वाहनों की ओर संक्रमण को भी प्रोत्साहित कर रही है।दिल्ली के मामले में कुछ श्रेणियों के लिए व्यवस्था और कड़ी है। Light Goods Vehicles के लिए इलेक्ट्रिक वाहन को प्राथमिकता नहीं बल्कि अनिवार्यता दी गई है, जबकि बसों के लिए BS-VI CNG या इलेक्ट्रिक विकल्प रखा गया है। इससे साफ है कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण की गंभीरता को देखते हुए सरकार कुछ वाहन श्रेणियों में अपेक्षाकृत तेज बदलाव चाहती है,लेकिन पुराने वाहन को हटाना तभी प्रभावी होगा जब वह वास्तव में परिवहन व्यवस्था से बाहर हो। यदि पुराना ट्रक दिल्ली से हटकर किसी दूसरे शहर में चलने लगे तो प्रदूषण खत्म नहीं होगा,केवल उसकी जगह बदल जाएगी।इसीलिए योजना में स्क्रैपिंग को भी जोड़ा गया है। BS-III और उससे पुराने वाहनों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र में स्क्रैप करना अनिवार्य है। BS-IV वाहनों के मामले में स्क्रैपिंग अथवा NCR से बाहरगैर-ह्ष्टक्क शहरों या कस्बों में बिक्री का विकल्प दिया गया है।इस व्यवस्था का उद्देश्य पुराने और अधिक प्रदूषणकारी वाहनों को धीरे-धीरे सड़क परिवहन व्यवस्था से बाहर करना है।इस पूरी योजना के लिए सरकार ने 9,585 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रावधान किया है। इसमें 5,041 करोड़ रुपये केंद्र सरकार की बजटीय सहायता है। योजना का वित्तपोषण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड के माध्यम से किया जा रहा है और इसके क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पास है।इतनी बड़ी वित्तीय व्यवस्था बताती है कि सरकार इसे केवल प्रदूषण के मौसम में उठाया गया कोई तात्कालिक कदम नहीं मान रही, बल्कि इसे वाहन बेड़े के दीर्घकालिक बदलाव के रूप में देख रही है।इस बदलाव में बैंक और वाहन निर्माता महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हैं। 42 बैंक और NBFC के योजना से जुड़ने का अर्थ है कि वाहन मालिकों के लिए ऋण की व्यवस्था को मजबूत करने की कोशिश की गई है। दूसरी ओर 15 ऑटो ह्यक्रू का जुड़ना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि सरकार अकेले नए वाहन खरीदने की लागत कम नहीं कर सकती। निर्माता की छूट और बैंक की वित्तीय सहायता मिलकर ही वाहन मालिक के लिए नया वाहन खरीदना व्यावहारिक बना सकती है।19 अगस्त को राजस्थान के अलवर में महेंद्र सिंह ने PARIVARTAN योजना के तहत पहला नया वाहन खरीदा।किसी योजना की पहली खरीद भले ही प्रतीकात्मक दिखाई दे,लेकिन वह इस बात का संकेत होती है कि सरकारी घोषणा अब वास्तविक लेन-देन में बदलने लगी है।अब इस एक उदाहरण को हजारों और फिर लाखों मामलों तक पहुंचाना योजना के सामने सबसे बड़ी चुनौती है।

आज का राशिफल

मेष- पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-1-4-6

वृष- अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-2-4-6

मिथुन- रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। अपने संघर्ष में स्वयं के आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक ड्क्षचताएं भी कम होगी। शुभांक-2-5-6

कर्क - उच्चमनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-5-7

सिंह - सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-6-7

कन्या - घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-8

तुला - वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शांतिपूर्वक नित्य कार्य करें। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कलह विवाद का डर बना रहेगा। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक- अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-1-5-9

धनु - बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-2-5-7

मकर - आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-3-7-9

कुम्भ - बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-7-9

मीन- जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शुभांक-3-5-7

युवा पीढ़ी अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है : सिरसा

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा रविवार को भारत मंडपम प्रगति मैदान में आयोजित दो दिवसीय 'फोटो वीडियो एशिया 2026' प्रदर्शनी में सम्मिलित हुए। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी आज अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है। सिरसा ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी आज सिर्फ एक कला नहीं, बल्कि युवाओं की क्रिएटिव पैशन और करियर ऑपर्च्युनिटी का बड़ा माध्यम बन चुकी है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से लेकर सिनेमा, डिजिटल मीडिया और कंटेंट क्रिएशन तक, आज की युवा पीढ़ी अपनी कहानी अपने कैमरे से दुनिया तक पहुंचा रही है। इस प्रदर्शनी में शामिल हुए सभी को शुभकामनाएं दी। सिरसा ने कहा कि ऐसे आयोजन नई तकनीक से परिचित कराने के साथ-साथ युवा प्रतिभाओं को सीखने, प्रयोग करने और अपनी पहचान बनाने का मंच देते हैं। उल्लेखनीय है कि यह भारत के फोटोग्राफर्स, वीडियोग्राफर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और डिजिटल इमेजिंग प्रोफेशनल्स के लिए एक प्रमुख बिजनेस-टू-बिजनेस प्लेटफॉर्म है। इस प्रदर्शनी में 250 से अधिक स्टॉल्स लगाए गए हैं, जहां आधुनिक कैमरे, लेंस, ड्रोन, लाइटिंग, स्टूडियो उपकरण, एआई टूल्स और एडिटिंग सॉफ्टवेयर जैसी लेटेस्ट तकनीकों का प्रदर्शन किया जा रहा है।

कांग्रेस ने स्वाइन फ्लू और डेंगू के बढ़ते मामलों को लेकर दिल्ली सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि दिल्ली में स्वाइन फ्लू और डेंगू के बढ़ते मामलों को रोकने में प्रदेश सरकार पूरी तरह नाकाम साबित हो चुकी है। स्वाइन फ्लू के 100 से अधिक प्रतिदिन डेंगू के प्रतिदिन बढ़ते मामले सरकार की स्वास्थ्य संबधी योजनाओं और तेजी से फैल रहे स्वाइन फ्लू और डेंगू की रोकथाम के उपायों की पोल खोलता है। देवेंद्र यादव ने शनिवार को एक विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि 27 अगस्त को 125 और 28 अगस्त को स्वाईन फ्लू के 166 मामले सामने आने के बाद दिल्ली में एच1एन1 संक्रमितों की संख्या 2612 से अधिक हो चुकी है, यह चिंताजनक है। डेंगू के 272 केस दर्ज हुए है, जबकि जल जनित बीमारियों में मलेरिया के 95 और चिकनगुनिया के 21 मामले भी सामने आए है। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान अधिक नमी के कारण स्वाईन फ्लू और मच्छरों से डेंगू के मामले तेजी से बढ़ रहे है, जिसकी रोकथाम के लिए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को अस्पतालों को विशेष इंतजाम के आदेश दें। उन्होंने कहा कि बढ़ती बीमारियों का बड़ा कारण दिल्ली नगर निगम द्वारा जमा हुए पानी में टेमीफॉस और बीटीआई लार्वा नाशक दवा का छिड़काव न करना और फोगिंग मशीन से कीटनाशक धुआं छोड़ने पर ध्यान नही देना है। देवेंद्र यादव ने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार एच1एन1 बच्चों और वृद्धों सहित गर्भवती महिलाओं में अधिक बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि स्वाइन फ्लू की जांच का खर्च निजी अस्पतालों में करीब 1500 से 5000 रुपये तक है जबकि गंभीर रुप से मरीज की पूरे रेस्पिरेटरी बायोफायर पैनल की जांच 9000 से 15000 रुपये तक पड़ सकती है, जो गरीब, निम्न और मध्यम वर्ग के लोगों के बहुत अधिक है।

दिल्ली में दरिंदगी: पर्दे लगी बस में 47 KM तक 16 साल की छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म, ड्राइवर-कंडक्टर गिरफ्तार

नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली में एक बार फिर निर्भया जैसा कांड सामने आया है। इस घटना ने महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के कश्मीरी गेट के बीच चलने वाली एक स्लीपर बस में यह वारदात हुई।

बस में 16 वर्षीय छात्रा के साथ कथित तौर पर चालक और कंडक्टर ने सामूहिक दुष्कर्म किया। मामला दिल्ली के कश्मीरी गेट थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। पुलिस ने दोनों आरोपी चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया है। यह घटना 4 अगस्त 2026 की बताई गई है। वारदात में इस्तेमाल की गई बस को भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

पीड़िता मैनपुरी जिले की रहने वाली है और 11वीं कक्षा में पढ़ाई कर रही है। छात्रा 3 अगस्त 2026 को अपने घर से बिना बताए निकली थी। वह पढ़ाई को लेकर मां की डांट से नाराज थी। उसका इरादा नोएडा सेक्टर-63 में रहने वाले अपने चचेरे भाई के घर जाने का था।

पीड़िता 3 अगस्त 2026 को अपने घर से निकली थी। वह नोएडा सेक्टर-63 में रहने वाले अपने चचेरे भाई के घर जा रही थी। इसी दौरान वह ग्रेटर नोएडा से दिल्ली के लिए स्लीपर बस में सवार हुई। बस में ही चालक और कंडक्टर ने कथित तौर पर उसके साथ दुष्कर्म किया। यह गंभीर वारदात 4 अगस्त 2026 को हुई।

मामले की जानकारी मिलते ही कश्मीरी गेट थाना पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने तत्काल प्रभाव से जांच शुरू की। दोनों आरोपी चालक और कंडक्टर को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिस स्लीपर बस में वारदात हुई थी, उसे भी पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। पुलिस इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

16 दिसंबर 2012 को दिल्ली के वसंत विहार में एक चलती बस में निर्भया के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया था और उसे मरने के लिए सड़क पर फेंक दिया गया था। इस दौरान उसके साथ उसका साथी अवनींद्र भी उसी बस में सवार था। घटना के सात साल तीन महीने बाद निर्भया को इंसाफ मिला था। निर्भया के गुनहगारों में अक्षय ठाकुर, मुकेश सिंह, विनय शर्मा और पवन गुप्ता सहित छह लोग शामिल थे। इसमें रामसिंह नामक एक आरोपी ने जेल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी और एक नाबालिग को सुधार गृह से रिहा कर दिया गया था।

कूड़े के पहाड़ों से मुक्ति की ओर दिल्ली, 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण पूरा

नई दिल्ली। दिल्ली के तीन बड़े लैंडफिल ओखला, भलस्वा और गाजीपुर पर वर्षों से खड़े कूड़े के पहाड़ अब धीरे-धीरे ढहने लगे हैं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में सरकार ने अब तक करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण पूरा कर लिया है और कुल 100 एकड़ बहुमूल्य भूमि को दोबारा उपयोग योग्य बना लिया है। मुख्यमंत्री का कहना है कि जनता के एक वोट ने सरकार की प्राथमिकताओं को बदल दिया और वही बदलाव अब जमीन पर साफ दिखाई दे रहा है। इससे इन क्षेत्रों के आसपास रहने वाले लोगों को बेहतर और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में मदद मिली है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में वर्षों से लोगों के सामने कूड़े के पहाड़ एक बड़ी समस्या बने हुए थे। उनकी सरकार ने इन्हें हटाने का वादा किया था और इस वादे को पूरा करने के लिए सरकार ने एक वैज्ञानिक रोडमैप, समर्पण और टाइम-बाउंड कार्यप्रणाली के साथ काम किया। सरकार ने केवल मौजूदा कूड़े के पहाड़ों को हटाने पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा पैदा न हो, इसके लिए भी पहले से तैयारी की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ओखला में करीब 70 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 35 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। वहीं भलस्वा में करीब 102 लाख मीट्रिक टन कचरे को प्रोसेस कर 45 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। इसी तरह गाजीपुर में करीब 44 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण किया गया और 20 एकड़ भूमि रिक्लेम की गई है। इस प्रकार तीनों साइट्स पर मिलाकर करीब 2.16 करोड़ मीट्रिक टन कचरे का प्रसंस्करण और 100 एकड़ भूमि का पुनरुद्धार किया गया है।

रेखा गुप्ता ने कहा कि कचरे के पहाड़ों को हटाने का काम केवल कचरा हटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे उन इलाकों में रहने वाले लोगों के जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। जो लोग इन क्षेत्रों से रोजाना गुजरते हैं, उन्हें अब बेहतर वातावरण दिखाई दे रहा है और आसपास रहने वाले लोगों के जीवन की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है। स्वच्छ और बेहतर पर्यावरण से स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा मिलेगा। दिल्ली जैसे देश की राजधानी में इतने बड़े पैमाने पर भूमि को कूड़े के पहाड़ों से मुक्त कर दोबारा उपयोग योग्य बनाना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सरकार का उद्देश्य इन क्षेत्रों को अधिक स्वच्छ और रहने योग्य बनाना है।

गाजीपुर में कचरे के प्रसंस्करण के बाद निकलने वाले इनर्ट मटेरियल का भी उपयोग किया जा रहा है। इसका इस्तेमाल लो लाइन एरिया को भरने और सड़कों के नीचे बेस तैयार करने में किया गया है। इससे कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण के साथ-साथ प्रसंस्करण से प्राप्त सामग्री का उपयोग भी सुनिश्चित हुआ है। सरकार का कार्य करने का मॉडल केवल वर्तमान समस्या का समाधान करना नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के लिए भी पहले से योजना बनाना है। इसी दिशा में दिल्ली में चार नए वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट स्थापित करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

उन्होंने कहा कि इन प्लांट्स के तैयार होने के बाद दिल्ली में प्रतिदिन पैदा होने वाले कचरे को उसी गति से प्रोसेस करने की दिशा में क्षमता विकसित होगी, ताकि कचरा लगातार जमा होकर नए कूड़े के पहाड़ का रूप न ले। सरकार का लक्ष्य है कि दिल्ली में रोजाना जितना कचरा पैदा हो, उसका रोजाना प्रसंस्करण सुनिश्चित किया जा सके। दिल्ली सरकार की नजर हर तरह के कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन पर है।

गुप्ता ने कहा कि मौजूदा कूड़े के पहाड़ों को हटाने के साथ-साथ भविष्य में कचरे के बेहतर प्रबंधन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और बेहतर जीवन-परिस्थितियों वाला शहर बनाना है। दिल्ली में कूड़े के पहाड़ों को हटाने की दिशा में हुई यह प्रगति सरकार की प्रतिबद्धता और समयबद्ध कार्यप्रणाली का परिणाम है।

दुकान पर बैठी महिला से चेन छीनने वाला बदमाश मुठभेड़ में गिरफ्तार

लोनी। दुकान के बाहर बैठी महिला के गले से चेन छीनने वाले बदमाश को स्वाट टीम ग्रामीण जोन और लोनी थाना पुलिस ने रविवार रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ लोनी के निठौरा अंडरपास के पास हुई। आरोपी के कब्जे से तमंचा, खोखा व जिंदा कारतूस, चोरी की बाइक, 16 हजार रुपये और मुथूट फाइनेंस की एक पर्ची बरामद हुई है।

एसीपी लोनी रामकिशन ने बताया कि निठौरा अंडरपास के पास संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि छिनैती की घटना में शामिल आरोपी बाइक से निठौरा की ओर से आ रहे हैं। पुलिस ने बाइक सवारों को रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने बाइक मोड़कर तेज गति से भागना शुरू कर दिया। पीछा करने के दौरान उनकी बाइक फिसल गई। इसी दौरान एक आरोपी ने तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लग गई, जबकि उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पूछताछ में घायल आरोपी ने अपना नाम मो. आसिफ (35) निवासी सुल्तान नगर, मुस्तफाबाद, लोनी बताया। आरोपी ने बताया कि 23 अगस्त की रात सितारा मस्जिद रोड स्थित परचून की दुकान पर बैठी महिला के गले से उसने अपने साथी दानिश के साथ मिलकर चेन छीनी थी। वारदात में उसके हिस्से में 40 हजार रुपये आए थे, जिनमें से खर्च के बाद 16 हजार रुपये बचे थे। पुलिस फरार साथी की तलाश कर रही है।

कमरे में फंदे से लटका मिला महिला का शव

नई दिल्ली। दिल्ली के वेलकम इलाके में करीब चार दिनों तक महिला का शव संदिग्ध हालत में उसके कमरे में ही फंदे से लटके रहा। घर से दुर्गंध जब पड़ोसियों और मकान मालिक तक पहुंची तो इसका पता चला। मकान मालकीन व पड़ोसियों ने महिला के कमरे का दरवाजा तोड़ा तो उनके होश उड़ गए। फंदे पर महक (26) का शव बुरी तरह सड़ी-गली हालत में लटका था। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। महिला का पति पिछले दो माह से गायब है। महिला के परिवार का भी कुछ पता नहीं चल पा रहा है। पुलिस को मृतका के पास से दो मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। उसके आधार पर पुलिस महिला के परिजनों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। क्राइम टीम के अलावा फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस को पता चला है कि महक के पति ने दूसरी शादी कर ली थी। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। आशंका व्यक्त की जा रही है कि इसी वजह से महक ने फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस के मुताबिक महक अपने पति के साथ पिछले दो सालों से वेलकम स्थित कबीर नगर गली नंबर-6 में रहती थी। इसके पति सनीफ प्राइवेट नौकरी करता है। 15 अगस्त 2024 को सनीफ अपनी पत्नी महक के साथ गली नंबर-6 के मकान में किराए पर रहने आया था। मकान मालकिन को उसने अपना बुलंदशहर का आधार कार्ड दिया।

30 युवकों ने गोदाम मालिक व दो श्रमिकों पर लाठी-डंडे से किया हमला

गुरुग्राम। फर्रुखनगर थाना के कालियावास गांव स्थित एक गोदाम पर 28 अगस्त की रात को करीब 30 युवकों ने हमला कर दिया। इस हमले में गोदाम मालिक और दो श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। केला गोदाम के मालिक जितेंद्र कुमार ने तीन नामजद युवकों सहित अन्य 25 से अधिक युवकों के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी है। पीड़ित की शिकायत पर रविवार को फर्रुखनगर थाने में संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है। माकडौला गांव निवासी जितेंद्र कुमार ने शिकायत में बताया कि उसका कालियावास गांव में गुरुग्राम-बादली रोड पर केला गोदाम है। 28 अगस्त की रात करीब 9 बजे संदीप व एक अन्य युवक गोदाम के सामने लगी केले की रेहड़ी पर आकर श्रमिक अनीस से बहस करने लगा। आवाज सुनकर दूसरा श्रमिक अब्दुल कयूम बाहर आ गया। अब्दुल कयूम ने संदीप को समझाने का प्रयास किया तो संदीप ने अब्दुल व अनीस को थप्पड़ मारा। अनीस ने गोदाम के कार्यालय में आकर उसको इस बारे में बताया। जब वे अन्य लेबर के साथ गोदाम के बाहर गए तो संदीप जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गया। इसके बाद रात करीब 10 बजे संदीप, दीपक, आकाश व अन्य 25 से अधिक युवक डंडे लेकर गोदाम में घुस गए। युवकों ने गोदाम के अंदर गेट तोड़ दिया। युवकों ने जितेंद्र कुमार, अब्दुल व अनीस के साथ मारपीट की।

नौ स्थानों पर चिह्नित हुई सी एंड डी वेस्ट सेंटर की जमीन

साहिबाबाद। निर्माण और ध्वस्तीकरण से निकलने वाले मलबे के निस्तारण को लेकर नगर निगम ने शहर में सी एंड डी वेस्ट कलेक्शन सेंटर विकसित करने की तैयारी तेज कर दी है। इसके लिए नगर निगम के संपत्ति विभाग ने पांच जोन में जमीन चिह्नित कर ली है। उपलब्ध कराए गए भूमि विवरण के अनुसार अलग-अलग स्थानों पर नौ भूखंडों को चिह्नित किया गया है, जिनमें कई भूखंड 200 से 1000 वर्गमीटर तक के हैं। हालांकि निगम की योजना सात कलेक्शन सेंटर बनाने की है, इसलिए अंतिम स्थानों का चयन निर्माण से पहले किया जाएगा।

अधिवक्ताओं के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को मंत्री कपिल मिश्रा ने सुना

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने रविवार को सेंट्रल दिल्ली कोर्ट बार एसोसिएशन (रॉउस एवेन्यू कोर्ट) द्वारा 'लॉयर्स फॉर डेमोक्रेसी' के सहयोग से 'डिस्कशन ऑन द रोल ऑफ एडवोकेट्स इन बिल्डिंग अ स्ट्रॉन्ग भारत परिचर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सामूहिक रूप से सुना। कार्यक्रम का आयोजन रॉउस एवेन्यू कोर्ट कॉम्प्लेक्स के यूटिलिटी ब्लॉक स्थित डॉ. अंबेडकर मल्टीपर्पज हॉल में किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने भाग लिया और मजबूत भारत के निर्माण में अधिवक्ताओं की भूमिका पर विचार-विमर्श किया। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 2047 के विकसित भारत के निर्माण में वकीलों और कानूनविदों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के साथ अधिवक्ताओं को राष्ट्र निर्माण में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि देश में सकारात्मक बदलाव और विकास की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। ऐसे में कानून के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों की जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने कानून एवं न्याय से जुड़े विषयों पर निरंतर संवाद और चर्चा की आवश्यकता पर जोर दिया।

मंत्री कपिल मिश्रा ने रॉउस एवेन्यू कोर्ट में बार की टीम के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि 7 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हेड ऑफ द स्टेट के रूप में 25 वर्ष पूरे करने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि इसे लेकर सभी लोगों में उत्साह है और आने वाले समय में सेवा और संकल्प के कार्य पूरे देश में सभी के द्वारा किए जाएंगे।

स्वाइन फ्लू की रोकथाम के लिए आज से घर-घर दस्तक

गाजियाबाद: गाजियाबाद। बदलते मौसम के बीच स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग सोमवार से घर-घर जागरूकता अभियान शुरू करेगा। 1300 आशा और 400 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता लोगों को बीमारी के लक्षण, संक्रमण से बचाव और लक्षण दिखाई देने पर समय पर जांच व उपचार कराने के बारे में जानकारी देंगे। शहरी क्षेत्र के स्कूलों में भी स्वास्थ्य कर्मी बच्चों को स्वाइन फ्लू से बचाव के प्रति जागरूक करेंगे। जिला सर्विलांस अधिकारी डॉ. आरके गुप्ता ने बताया कि जिले में अब तक स्वाइन फ्लू के 32 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। इनमें एक मरीज हापुड़ का रहने वाला है। बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए लोगों को शुरूआती लक्षणों को नजरअंदाज न करने और चिकित्सकीय सलाह लेने के लिए जागरूक किया जाएगा। घर-घर अभियान के दौरान स्वास्थ्य कार्यकर्ता लोगों को खुद से दवा लेने के बजाय लक्षण दिखाई देने पर चिकित्सक से संपर्क करने की सलाह देंगे। स्कूलों में चलने वाले अभियान के दौरान बच्चों को हाथों की नियमित सफाई, खांसते व छींकते समय नाक-मुंह ढकने और बीमार होने पर दूसरों से दूरी बनाए रखने की जानकारी दी जाएगी।

एमपीडी-2047: डीडीए ने वेबसाइट पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों को साझा किया, लोगों से राय मांगी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू के मास्टर प्लान के कार्यान्वयन में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के सुझाव के बाद, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने दिल्ली-2047 मास्टर प्लान (एमपीडी-2047) पर अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्नों (एफएक्यू) का एक सेट अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। डीडीए ने एक बयान में कहा कि एमपीडी-2047 के एफएक्यू को आधिकारिक वेबसाइट पर 'व्हाट्स न्यू' अनुभाग के अंतर्गत जोड़ा गया है। एफएक्यू नागरिकों और हितधारकों को योजना के विभिन्न प्रावधानों पर सरल और आसानी से सुलभ जानकारी प्रदान करते हैं। बयान में कहा गया है कि इनमें सामान्य प्रावधान, विकास नियंत्रण मानदंड, पुनर्विकास, विरासत और सार्वजनिक स्थान, भूमि पूलिंग नीति, पारगमन उन्मुख विकास (टीओडी), उच्च घनत्व गलियारे (एचडीसी), निम्न घनत्व क्षेत्र (एलडीए), और यथास्थान झुग्गी पुनर्वास (आईएसआर) सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है।डीडीए ने अपने नागरिक सेवा मंच के माध्यम से 'एमपीडी-2047 (फीडबैक)' सुविधा भी शुरू की है, जिससे नागरिक और हितधारक मास्टर प्लान से संबंधित अपने सुझाव और प्रतिक्रिया सीधे साझा कर सकते हैं। बयान में कहा गया कि 'सिटीजसर्विसेज.डीडीए.ओआरजी.इन' पर उपलब्ध इस सुविधा का उपयोग करने के लिए उपयोगकताओं को बस प्लेटफॉर्म पर साइन अप करना होगा, जिसके बाद मेनू बार में 'एमपीडी-2047 (फीडबैक)' विकल्प दिखाई देगा। इसके अलावा, इसे 'एट योर सर्विस' सेक्शन के अंतर्गत भी एक्सेस किया जा सकता है। फीडबैक सुविधा नागरिकों और हितधारकों को डीडीए के समक्ष अपने विचार रखने का एक सीधा माध्यम प्रदान करती है, जिससे एमपीडी-2047 के प्रति निरंतर संवाद और अधिक सहभागी दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलता है, बयान में कहा गया है।

हर बूथ पर नशे के खिलाफ अभियान चलाएगी भाजपा: हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' को लेकर रविवार को दिल्ली भाजपा की ओर से राजधानी में बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। दिल्ली भाजपा के नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने 6,339 स्थानों पर सामूहिक रूप से 'मन की बात' सुनी और प्रधानमंत्री के संदेश से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। उन्होंने कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में 'सेवा ही संगठन' की भावना के साथ काम करेगी। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में नशा मुक्त युवा और नशा मुक्त भारत का महत्वपूर्ण संदेश दिया है। दिल्ली भाजपा इस संकल्प को जमीन पर उतारने के लिए राजधानी के हर जिले, विधानसभा और बूथ स्तर पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएगी।

उन्होंने कहा कि स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम, खेल प्रतियोगिताएं और युवा चौपाल आयोजित कर युवाओं को खेल, संस्कृति और सेवा से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहने और उसके खिलाफ आवाज उठाने का संदेश घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का जिक्र करते हुए कहा कि इस योजना के लाभार्थियों में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली भाजपा रेहड़ी-पटरी का काम करने वाली महिलाओं को डिजिटल लेन-देन, बैंकिंग और बाजार से जुड़ी गतिविधियों में मदद करेगी। मल्होत्रा ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना ही वास्तविक महिला सशक्तीकरण की दिशा में बड़ा कदम है। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक बार फिर 'वोकल फॉर लोकल' का आ'ान किया है। आने वाले त्योहारों के दौरान दिल्लीवासियों से स्थानीय और देश में बने सामान खरीदने की अपील की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नोनी में उग्रवादी गुटों के बीच गोलीबारी, एक की मौत और छह घायल

थौबल में ग्रेनेड धमाका

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। नोनी जिले में एक सशस्त्र संगठन के दो गुटों के बीच हुई गोलीबारी में एक उग्रवादी की मौत हो गई, जबकि छह अन्य घायल हुए हैं। वहीं, थौबल जिले में एक तेल पंप के भीतर ग्रेनेड फेंके जाने से धमाका हुआ, हालांकि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

नोनी में दो गुटों के बीच क्यों हुई गोलीबारी: पुलिस के मुताबिक, शनिवार तड़के नोनी जिले में जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-कामसन जेलियांगरोंग यूनाइटेड फ्रंट-जेंचुई के कैडरों के बीच टकराव हुआ।

आबकारी आयुक्त के निर्देशन में अवैध मदिरा पर कार्रवाई जारी, वॉश एवं भट्टियां की गई नष्ट

जयपुर, एजेंसी। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में निकाय चुनाव आदर्श आचार संहिता के अंतर्गत अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी निरोधात्मक गतिविधियों के तहत नाकाबंदी, गश्त, दबिश की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए हजारों लीटर वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी,अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर में ईपीएफ दल की कार्रवाई में 600 लीटर वॉश सहित एक कच्ची भट्टी नष्ट करते हुए 20 लीटर अवैध हथकड़ शराब जब्त की गई। श्रीगंगानगर में एक अन्य कार्रवाई के तहत लक्ष्मीनारायण नाहर ग्राम खत्ता में 3 हजार लीटर वॉश सहित 3 अवैध भट्टियां नष्ट की गई। भीलवाड़ा के कुवांडा खान, ग्राम कुवाडा में कोठारी नदी के पेटे में 4 हजार लीटर वॉश सहित 5 भट्टियां नष्ट की गई। मौके से 15 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी जब्त की। बारां जिले के शाहबाद उपखंड में ग्राम गाडीघाट के समीप के वन क्षेत्र में तलाशी के दौरान 1700 लीटर वॉश एवं 6 भट्टियां नष्ट की गई मौके से 30 लीटर अवैध हथकड़ शराब भी बरामद की गई। इसी प्रकार प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरूद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

पंचकूला में सीएम नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं और आमजन के साथ सुनी 'मन की बात'

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 137वें संस्करण का ऑनलाइन माध्यम से सीधा प्रसारण देखा। इस अवसर पर सेक्टर-1 स्थित रेड बिशप के कन्वेंशन हॉल में कार्यक्रम के प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गई थी, जहां मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनप्रतिनिधियों, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजन के साथ 'मन की बात' कार्यक्रम को देखा। 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के नागरिकों से संवाद स्थापित करते हैं और प्रेरणादायक कहानियों, नवोन्मेषी विचारों तथा सकारात्मक बदलाव लाने वाली जन-नेतृत्व वाली पहलों को सांझा करते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों और संस्थाओं के प्रयासों को सामने लाने के साथ-साथ नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। 'मन की बात' में उठाए गए विषयों और जनहित से जुड़ी पहलों के साथ सार्थक जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की। उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री के विचारों और प्रेरणादायक संदेशों को ध्यानपूर्वक सुना। इस अवसर पर पंचकूला के मेयर श्यामलाल बंसल, हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग की चेयरपर्सन बंतो कटारिया, जिला अध्यक्ष अजय मित्तल, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव प्रवीण अत्रे, भाजपा नेता कृष्ण ढुल, पार्षदगण, पार्टी कार्यकर्ता तथा भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, तुम्हे जो करना है कर लो, डायरेक्टर ने दी ये धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। बच्चे तो ऐसे रोज पिटते हैं, जाओ तुम्हे जो करना है कर लो। ये जवाब स्कूल की महिला डायरेक्टर ने मासूम के पिता को दी। पीड़ित पिता स्कूल की डायरेक्टर से मासूम के साथ दरिंदगी के बारे में पूछ रहे थे। इतना ही नहीं स्कूल की प्रिंसिपल, टीचर्स और दूसरा स्टाफ भी बचाव में जुट गए। मासूम के पिता ने स्कूल से ही पीसीआर कॉल कर पुलिस को खबर दी। इसके बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू की गई। पुलिस मासूम को पहले मेडिकल के लिए जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टरों ने पाया कि मासूम के बाएं पैर में और एक आंख के पास सूजन है। बाकी जांच के लिए बाल रोग विशेषज्ञ के पास जीटीबी अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में भी मासूम के साथ दरिंदगी के सबूत मिले। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के दिशा निर्देश के बाद 28 अगस्त को इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया। फिलहाल मामले में अभी किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस ने स्कूल की

फुटेज के अलावा कुछ अन्य सबूत भी जुटाए हैं। वहीं मासूम के पिता ने बताया कि उनका बेटा महज 3 साल पांच माह का है। कुछ ही समय पूर्व परिवार ने उसका दाखिला करवाया था। पिछले कुछ दिनों से मासूम बुरी तरह डरा रहने लगा था। उसने घर में बातचीत भी करना छोड़ दिया था। यहां तक कि वह रात को ठीक से सो भी नहीं पा रहा था। जैसे ही उसकी आंख लगती अचानक वह सोते-सोते रोने लगता था। इसके अलावा वह कान में दर्द होने की शिकायत भी कर रहा था।

बुरी तरह डरा हुआ है बच्चा: परेशान ने 18 अगस्त को उसे जब ईएनटी विशेषज्ञ को दिखाया तो पूरी वारदात का पता चला। वहीं मासूम का इलाज कर रहे डॉक्टरों ने बताया कि वह बुरी तरह डरा हुआ है। उसको सामान्य होने में काफी समय लग जाएगा। उसको कई बार काउंसलिंग की जरूरत पड़ेगी। घटना के बाद से परिवार में खासा रोष है। परिजनों ने पुलिस से मांग की है कि वह आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लें। पुलिस अधिकारियों ने भी मामले में सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

प्ले स्कूल में साढ़े तीन साल के बच्चे को कुर्सी से बांधकर पीटा: उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जाफराबाद इलाके में मौजपुर स्थित एक प्ले स्कूल में साढ़े तीन साल के बच्चे के साथ मारपीट व यौन दुर्व्यवहार का मामला सामने आया है। आरोप है कि स्कूल के शिक्षकों और अन्य स्टाफ ने बच्चे को कुर्सी से बांधकर पीटा। उसे कान पकड़कर घसीटने और लात मारकर कुर्सी से गिराने की बात भी सामने आई है। पुलिस ने स्कूल के निदेशक, प्रिंसिपल, शिक्षकों और आया के खिलाफ पॉक्सो एक्ट, जेजे एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने फुटेज कब्जे में ली

बच्चे के पिता की शिकायत पर पुलिस टीम ने स्कूल पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले लिया है। पीड़ित बच्चे का जीटीबी अस्पताल में मेडिकल कराने के बाद उसकी काउंसलिंग भी कराई गई। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की निगरानी वरिष्ठ अधिकारी कर रहे हैं। परिवार का आरोप है कि घटना सामने आने के बावजूद स्कूल प्रशासन अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय बच्चे की ही गलतियां गिनाने में लगा रहा। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज, मेडिकल रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपों की जांच में जुटी है।

ये कैसे स्कूल: टॉयलेट जाने से भी डर रहा था मासूम

पुलिस के अनुसार, बच्चा पिछले कुछ दिनों से स्कूल और यहां तक कि टॉयलेट जाने से भी डर रहा था। उसके कान में लगातार दर्द था और वह रात में ठीक से सो नहीं पा रहा था। परिजनों ने उसे डॉक्टर को दिखाया, तो जांच में दोनों कान के पर्दों में सूजन मिली। डॉक्टर ने पिटाई से चोट की बात परिजनों को बताई। इसके बाद परिवार को स्कूल में बच्चे से दुर्व्यवहार का शक हुआ। पिता ने बच्चे से जानकारी लेने की कोशिश की, पर वह इतना डरा हुआ था कि कुछ स्पष्ट नहीं बता सका। इसके बाद पिता स्कूल पहुंचे और प्रिंसिपल से सीसीटीवी फुटेज दिखाने की मांग की। फुटेज के लिए मांगे 1,500 रुपये : परिवार का आरोप है कि स्कूल ने पहले कैमरे खराब होने की बात कहकर टालने की कोशिश की। बाद में फुटेज देने के बदले पिता से 1,500 रुपये मांगे गए। कुछ फुटेज में बच्चे को कान पकड़कर घसीटने, कुर्सी से बांधकर पीटने और लात मारने के दृश्य दिखे। बच्चे का लंच छीनने व निजी अंगों से छेड़छाड़ का फुटेज भी परिवार ने देखा। परिजनों ने पूरी फुटेज मांगी तो स्कूल ने मना कर दिया।

हुबली में दिनदहाड़े पीछा कर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या, खौफनाक वीडियो वायरल

हुबली, एजेंसी। कर्नाटक के हुबली में शुक्रवार को दिनदहाड़े एक युवक का पीछा कर तेज धारदार हथियारों से काटकर हत्या कर दी गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें पीड़ित सड़क पर पड़ा है और दो हमलावर उस पर हमला कर रहे हैं। मृतक की पहचान दादापीर उदयाकर के रूप में हुई है। वे 33 वर्ष के थे और नेकर नगर, हुबली के मूल निवासी थे। पिछले आठ साल से वे पत्नी और बच्चों के साथ कल्घटगी तालुक के बोगेनगरकोप्पा में रहकर खेती कर रहे थे।

चश्मदीदों के अनुसार हमलावरों ने दादापीर का कई सौ मीटर तक पीछा किया। सामने से आ रहे दोपहिया वाहन से टकराकर वे गिर गए, जिसके बाद हमलावरों ने उन पर हमला बोल दिया। हुबली-धारवाड़ पुलिस आयुक्त एन. शशिकुमार ने बताया कि घटना दोपहर करीब एक बजे विद्यानगर के सिद्धेश्वर पार्क इलाके में हुई। दो लोगों ने तेज हथियारों से हमला किया। पुलिस ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर केस दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दादापीर 2015 में मारुति नाम के व्यक्ति की हत्या के मामले में आरोपी थे। 2017 में वे बरी हो गए थे। करीब चार साल पहले उनका राउडी शीट भी बंद कर दिया गया था। पुलिस जांच कर रही है कि हत्या 2015 के मामले का बदला थी या कोई और मकसद था।

अब इंदौर में होगा छात्रों की गूंज का आयोजन, राहुल गांधी करेंगे युवाओं से बात

इंदौर, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता राहुल गांधी 12 सितंबर को इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान वह जेन-जी से संवाद करेंगे। कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में हुए छात्रों की गूंज शृंखला के तहत ही इंदौर में भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसकी शुरुआत कंसर्ट से होगी। इसके बाद राहुल गांधी मध्य प्रदेश और देश के युवाओं से जुड़े मुद्दों पर प्रस्तुति देंगे। फिर युवाओं और राहुल गांधी के बीच सीधे सवाल-जवाब होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर चर्चा करने शनिवार को राहुल गांधी के सहायक केवी बैजू इंदौर पहुंचे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी व अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक की। सूत्रों के अनुसार, आयोजन में प्रस्तुति देने के लिए कोई बड़ा गायक या संगीत समूह भी आ सकता है।

इसका नाम दिल्ली से तय किया जाएगा। बैठक के बाद शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने निगम आयुक्त को पत्र लिखकर चार दिनों के लिए नेहरू स्टेडियम आरक्षित करने की मांग की है।

हिमाचल में सरकारी स्कूलों के बच्चों का कमाल, बिना महंगी कोचिंग जेईई मेन्स किया क्वालीफाई

● विभाग करेगा सम्मानित

शिमला, एजेंसी। महंगी कोचिंग और बड़े शहरों की सुविधाओं के बिना भी पहाड़ी राज्य हिमाचल के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने जेईई और नीट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में अपनी प्रतिभा साबित की है। सीमित संसाधनों के बीच मेहनत और शिक्षकों के मार्गदर्शन से इन विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों का मान बढ़ाया है। शिक्षा विभाग अब इन प्रतिभाओं को सम्मानित करेगा। वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक प्रदेश के सरकारी स्कूलों के 76 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स क्वालीफाई किया। इनमें 45 ने विभिन्न इंजीनियरिंग कालेजों में प्रवेश, 12 ने एनआईटी हमीरपुर और एक ने आइआइटी में जगह बनाई। इसी अवधि में आठ विद्यार्थियों ने मेडिकल कालेजों में प्रवेश हासिल किया।

सरकारी स्कूलों में दी गई थी निश्शुल्क कोचिंग: सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को जेईई और नीट की तैयारी के लिए शिक्षा विभाग की ओर से निश्शुल्क कोचिंग उपलब्ध कराई गई थी। शिक्षा मंत्री के निर्देश पर पिछले तीन वर्षों में इस सुविधा से विद्यार्थियों को हुए लाभ का आकलन किया गया, जिसमें लगातार सामने आ रही सफलता ने योजना की उपयोगिता को साबित किया है।

हर साल बढ़ा सफलता का आंकड़ा

जेईई मेन्स में सफलता का सिलसिला लगातार चार वर्षों तक जारी रहा। 2021-22 में 17, 2022-23 में 19, 2023-24 में 20 और 2024-25 में भी 20 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण की।

इस साल 36 ने दिखाई प्रतिभा : वर्ष 2025-26 में 36 विद्यार्थियों ने जेईई मेन्स क्वालीफाई किया। इनमें 27 छात्र और नौ छात्राएं हैं। छह विद्यार्थी जेईई एडवांस के लिए भी चयनित हुए। चार विद्यार्थियों का चयन एनआइटी हमीरपुर, एक का एनआइटी कुरुक्षेत्र और एक का आइआइटी रुड़की में हुआ। एक विद्यार्थी ने आइआइआइटी नागपुर में प्रवेश पाया, जबकि आठ का चयन प्रदेश के विभिन्न राजकीय महाविद्यालयों में हुआ।

एक सफलता के पीछे कई हाथ : इन उपलब्धियों में विद्यार्थियों की मेहनत के साथ शिक्षकों के अतिरिक्त मार्गदर्शन की भी अहम भूमिका रही।

म्यांमार के प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी मलयेशिया में रोहिंग्या शरणार्थियों के बीच दहशत

नेप्यीडा, एजेंसी। मोहिदु जमान धार्मिक उत्पीड़न और गृहयुद्ध से बचने के लिए दो साल पहले अपने देश म्यांमार से भाग निकला था। करीब चार महीने तक जमीनी रास्ते और समंदर का सफर तय करने के बाद मलयेशिया पहुंचा। धान के खेत में काम ढूंढ़ा और पारंपरिक मलय शैली में बने झोपड़ीनुमा घर में रहने लगा। लेकिन अब मलयेशिया के ऐसे प्रवासियों को वापस भेजने की तैयारी से रोहिंग्या शरणार्थियों में भय का माहौल है। भाई मोहम्मद ने बताया कि मोहिदुजमान (35) ने मलयेशिया में संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी के पास शरणार्थी के रूप में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। इसी बीच, उसे कुछ समय पहले गिरफ्तार कर डिटेंशन सेंटर में डाल दिया गया था। कुआलालंपुर में रहने वाले और शरणार्थी का दर्जा रखने वाले मोहम्मद (25) ने अपने भाई के मामले पर कहा, म्यांमार वापस भेजने से तो बेहतर है कि हमें मलेशिया में ही मार दिया जाए। वापस भेजे जाने पर वहां जाकर भी मारा ही जाएगा, क्योंकि म्यांमार का सैन्य शासन उसे लड़ने के लिए सीधे युद्ध के मोर्चे पर भेज देगा। मोहिदुजमान म्यांमार के करीब 10 हजार ऐसे प्रवासियों में शामिल हैं जिनके पास शरणार्थी होने कोई दस्तावेज नहीं है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा पर कटघरे में सद्गुरु, तीर्थयात्रियों की हिफाजत पर फाउंडेशन की सफाई क्या

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में 26 अगस्त को आई भीषण भोटे कोशी नदी की बाढ़ के बाद कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े लोगों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच ईशा फाउंडेशन ने सफाई देते हुए कहा है कि सद्गुरु ने तत्काल तिब्बत से बाहर निकलने के बजाय वहां रुकने का फैसला इसलिए किया, ताकि फंसे हुए 700 से अधिक सदस्यों की सुरक्षित वापसी का रास्ता सुनिश्चित किया जा सके।

सरकार के दबाव के बावजूद क्यों रुके सद्गुरु: ईशा सेक्रेड वॉक्स की समन्वयक मां गंभीरि ने एएनआई को बताया कि भारत सरकार की ओर से सद्गुरु को तत्काल बाहर

निकलने के लिए दबाव था। हालांकि, सद्गुरु की प्राथमिकता अलग थी। वह उस क्षेत्र के करीब जाना चाहते थे, जहां हादसा हुआ था, ताकि बचाव प्रयासों में मदद मिल सके। उनके मुताबिक, तिब्बत में ईशा फाउंडेशन के 700 से अधिक सदस्य मौजूद थे। ऐसे में सद्गुरु चाहते थे कि उनके लिए भी तिब्बत से बाहर निकलने का सुरक्षित रास्ता तैयार हो। सद्गुरु हादसे वाली जगह यानी ग्राउंड जीरो तक पहुंचकर हर संभव मदद करना चाहते थे। इसी वजह से उन्होंने सड़क मार्ग से वहां जाने की इच्छा जताई थी।

77 यात्रियों की जानकारी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती क्यों बनी: फाउंडेशन के अनुसार, हादसे के दौरान उसके 77 प्रतिभागी सीधे प्रभावित हुए थे। संगठन इन लोगों की स्थिति की जानकारी हासिल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहा था। मां गंभीरि ने कहा कि सबसे बड़ी मुश्किल यह थी कि संगठन की टीम हादसे वाली जगह तक सीधे नहीं पहुंच पा रही थी।

724 मौतों की पुष्टि, 2400 से ज्यादा अभी भी लापता; 589 विदेशी नागरिकों संपर्क से बाहर

काठमांडो, एजेंसी। तमिलनाडु के मंत्री राजमोहन ने बताया कि नेपाल में फंसे तमिलनाडु के 319 लोगों में से 219 को बचा लिया गया है और ये सभी 219 लोग 31 अगस्त तक तमिलनाडु पहुंच जाएंगे। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन दिनों से मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय के निर्देशों पर हम दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं और नेपाल में फंसे तमिलों को बचाने के लिए विभिन्न प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल, अनिवासी तमिल कल्याण विभाग के मंत्री थेन्नारासु दिल्ली में हैं और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। तमिलनाडु के कुल 319 लोग विभिन्न समूहों के माध्यम से नेपाल गए थे। इनमें से 219 लोग सुरक्षित हैं। वे 31 अगस्त की रात तक चेन्नई पहुंच जाएंगे। शेष 100 लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और वे फिलहाल लापता माने जा रहे हैं। यह एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की आपदा है। इस घटना में सभी को मिलकर काम करना होगा। हमारा

एकमात्र उद्देश्य प्रभावित लोगों को बचाना है। 'नेपाल में बाढ़ के कारण ओडिशा के चार लोग लापता, दो अन्य सुरक्षित भारत लौटेओडिशा सरकार ने बताया कि नेपाल में आई भयानक बाढ़ के बाद राज्य के चार लोग लापता हैं, जबकि दो अन्य सुरक्षित भारत पहुंच गए हैं। लापता लोगों की पहचान खुर्दा जिले के संदीप महापात्रा और उनकी पत्नी सिद्धार्थ कुमारी साहू, बरगढ़ जिले की गुन्नम साईं बिंदु कुमारी और उनकी बेटी गुन्नम हरेशखा के तौर पर की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि महापात्रा और साहू 2018 से ऑस्ट्रेलिया में रह रहे हैं। उन्होंने बताया कि साईं बिंदु कुमारी के पति गुन्नम जय कृष्ण नेपाल में सुरक्षित हैं और उनसे संपर्क करने में मदद के लिए उनकी लोकेशन विदेश मंत्रालय के साथ साझा की गई है।उनके परिवार के अनुसार, जय कृष्ण पिछले छह वर्षों से नेपाल के अपर त्रिशूली में एंडट्रिज हाइड्रोपावर के साथ काम कर रहे हैं। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि मयूरभंज जिले के बारीपदा की कुलसुम निगार और सुंदरगढ़ जिले की दीपिका एक्का सुरक्षित रूप से रक्सौल पहुंच गई हैं और भारत में प्रवेश कर चुकी हैं। उन्होंने बताया कि एक कोच हलीम और ओडिशा के छह फ़ुटबॉल खिलाड़ी भी पोखरा में सुरक्षित हैं, जहां राज्य की टीम ने एक फ़ुटबॉल टूर्नामेंट में पहला स्थान हासिल किया था।भारत से राहत सामग्री लेकर चौथा विमान पहुंचा नेपालनेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने ट्वीट किया, 'भारत से राहत सामग्री से भरी चौथी उड़ान, जिसमें कंबल, स्लीपिंग बैग, तिरपाल, प्लास्टिक शीट और स्वच्छता किट सहित 11 टन सामग्री थी, काठमांडो पहुंच गई है। इस उड़ान में सुरंग खोज और बचाव अभियान के लिए अतिरिक्त तकनीकी दल और उपकरण भी लाए गए हैं। 'भारत से मदद मिलने पर क्या बोले नेपाल के वित्त मंत्री

नेपाल में बाढ़ की स्थिति पर देश के वित्त मंत्री डॉ. स्वर्णिम वागले ने कहा, 'हमें भारत से बहुत राहत सामग्री की आपूर्ति मिली है। मुझे लगता है कि राहत सामग्री लेकर तीन विमान पहले ही आ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी और विदेश मंत्री ने एकजुटता व्यक्त करने और नेपाल को आवश्यक हर तरह की सहायता देने का वादा करने में बहुत सकारात्मक रुख दिखाया है। वे फंसे हुए कुछ भारतीय तीर्थयात्रियों के बारे में भी चिंतित हैं और उनका बचाव भी हमारी प्राथमिकता है। 'सुरक्षित वापस लौटे केरल के 16 लोग, सात अभी भी लापताकेरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने जानकारी देते हुए बताया, 'कोच्चि से आए 14 सदस्यीय समूह, श्रुति शिखामणि (कक्कनाड) और रिनीत मोहन (पिरावोम) सहित 16 केरलवासी सुरक्षित घर लौट आए हैं। नेपाल और भारत के ट्रांजिट स्थानों पर 45 यात्रियों के सुरक्षित होने की पुष्टि हो चुकी है और उनकी वापसी की व्यवस्था की जा रही है। सात व्यक्तियों से संपर्क करना बाकी है (जिनमें केरल मूल के 4 ऑस्ट्रेलियाई नागरिक शामिल हैं)।

उनके बारे में जानकारी विदेश मंत्रालय के साथ सक्रिय रूप से जुटाई जा रही है।

अमेरिका में फिर गोलीबारी: साउथ कैरोलिना के पार्क में फायरिंग; एक पुलिस अधिकारी की मौत, दूसरा घायल

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के साउथ कैरोलिना राज्य के कोलंबिया शहर में एक पार्क में हुई फायरिंग में एक पुलिस अधिकारी की मौत हो गई, जबकि दूसरा अधिकारी घायल हो गया। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर की भी मौत हो गई है। कोलंबिया पुलिस विभाग के प्रमुख डब्ल्यूएच स्किप होलब्रुक ने इस घटना की पुष्टि की। होलब्रुक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह घटना शहर के हेजलवुड रोड स्थित साउथईस्ट पार्क में हुई। दो पुलिस अधिकारी घरेलू विवाद की सूचना मिलने के बाद वहां पहुंचे थे, तभी गोलीबारी हो गई।

पुलिस ने क्या बताया: कोलंबिया पुलिस विभाग के अनुसार, 29 वर्षीय क्रिस डीलोंग ड्यूटी के दौरान गोली लगने से मारे गए। इसके अलावा, दूसरे अधिकारी डेविड डाइमॉक भी गोली लगने से घायल हो गए। हालांकि उनकी हालत स्थिर बताई गई है। शनिवार शाम आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में होलब्रुक ने कहा, 'हम ऐसी दुखद परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं जिसकी शायद कोई कल्पना भी नहीं कर सकता।' पुलिस ने बताया कि स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12 बजे तक घटनास्थल को सुरक्षित कर लिया गया था। जांच जारी रहने के कारण कानून-व्यवस्था एजेंसियों ने लोगों से उस इलाके से दूर रहने की अपील की।

इससे पहले 1974 में गई थी पुलिसकर्मी की जान: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कोलंबिया में ड्यूटी के दौरान गोली लगने से शहीद होने वाले आखिरी पुलिस अधिकारी लेफ्टिनेंट फिलिप जॉर्ज श्लाटेरेर थे, जिनकी 25 जुलाई 1974 को मौत हुई थी। यानी इसके बाद 50 साल से भी अधिक समय तक ऐसा कोई मामला सामने नहीं आया था। इस महीने की शुरुआत में भी अमेरिका के केंटकी राज्य के लेक्सिंगटन शहर में एक पार्क में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और चार अन्य लोग घायल हुए थे।

संक्षिप्त समाचार

15 साल से फरार 66 वर्षीय स्थाई वारंटी गिरफ्तार :वर्ष 2011 से फरार चल रहा था, पुलिस ने घर पर दबिश देकर पकड़ा

सागर,एजेंसी। सागर की गोपालगंज थाना पुलिस ने शनिवार को 15 वर्षों से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी घर पर ही छिपा था। थाने लाकर पूछताछ की गई। पूछताछ के बाद पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश किया है।पुलिस के अनुसार, वारंटी रफीक पिता अब्दुल सलाम उम्र 66 वर्ष निवासी हनुमान मंदिर के पास शनिचरी सागर के खिलाफ गोपालगंज थाने में वर्ष 1997 में मामला दर्ज हुआ था। उक्त मामले में न्यायालय ने 10 अगस्त 2011 को स्थाई गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था। वारंटी लंबे समय से गिरफ्तारी से बच रहा था। पुलिस लगातार तलाश कर रही थी। इसी बीच मुखबिर से पुलिस को वारंटी रफीक के संबंध में सूचना मिली। उसके घर पर होना बताया गया। सूचना पर पुलिस टीम ने शनिचरी पहुंचकर घर पर दबिश दी। जहां रफीक मिला। जिसे पुलिस टीम ने गिरफ्तार किया और थाने लाई। गोपालगंज थाना के एसआई नीरज जैन ने बताया कि 15 साल से फरार स्थाई वारंटी को उसके घर पर दबिश देकर पकड़ा है। पूछताछ के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

मंदसौर में 4 दिन से बारिश नहीं, धूप-उमस बढ़ी

मंदसौर,एजेंसी। मंदसौर जिले में 26 अगस्त की शाम से बारिश का दौर थमा हुआ है। चार दिन से बारिश नहीं होने के कारण तेज धूप और उमस से लोग परेशान हैं। किसान फसलों में नमी की कमी को लेकर चिंतित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, 1 सितंबर तक बारिश की गतिविधियां कमजोर रहेंगी। जबकि 2-3 सितंबर से जिले में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 27, 28 और 29 को जिले में कहीं भी बारिश दर्ज नहीं की गई। रविवार को भी मौसम साफ रहा। इस दौरान तापमान बढ़ने के साथ उमस भरी गर्मी रही।31 अगस्त को आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान करीब 29 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस दिन बारिश की संभावना कम है। 1 सितंबर को बादल और धूप का मिला-जुला असर रहने का अनुमान है। तापमान 23 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। बड़ी बारिश के संकेत फिलहाल कमजोर हैं। 2 सितंबर से मौसम में बदलाव के आसार हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। 3 सितंबर को बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। 4 सितंबर को भी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। 5 सितंबर को मौसम सक्रिय रहने के संकेत हैं।

पिछले साल से 87.3 मिमी कम बारिश: इस मानसून सीजन में जिले में अब तक 588.0 मिमी (23.15 इंच) बारिश दर्ज की गई है। पिछले साल 1 जून से 30 अगस्त तक 675.3 मिमी (26.59 इंच) बारिश हुई थी। इस तरह इस साल समान अवधि के मुकाबले 87.3 मिमी (3.44 इंच) कम बारिश हुई है।

बारिश के ब्रेक से खेतों की ऊपरी सतह की नमी कम: बारिश थमने के बाद तेज धूप और उमस से किसानों की चिंता बढ़ी है। तीन-चार दिन से बारिश नहीं होने के कारण खेतों की ऊपरी सतह की नमी कम होने लगी है। इसका असर उन खेतों में ज्यादा हो सकता है, जहां पहले से मिट्टी में नमी कम है। सोयाबीन सहित खरीफ फसलों में लगातार गर्मी और नमी की कमी रहने पर पौधों की बढ़वार प्रभावित हो सकती है। फूल और फलियां बनने की अवस्था में पानी की कमी से फसल पर असर पड़ने की आशंका रहती है।

इटारसी में 7 फीट लंबा सांप रसोई में घुसा:डिब्बों के पीछे दिखा इंडियन रैट स्नेक; वन विभाग ने सुरक्षित रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

इटारसी,एजेंसी। न्यू यार्ड डीजल शेड के पास गणेश नगर कॉलोनी में रविवार को एक घर की रसोई में करीब 7 फीट लंबा सांप घुसने से हड़कंप मच गया। महिला ने किचन में डिब्बों के पीछे सांप को देखा तो घबराकर बाहर निकलीं और बेटे को जानकारी दी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सांप को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। घर की महिला रविवार को किचन में काम करने पहुंची थीं। इसी दौरान उन्हें सेल्फ पर रखे डिब्बे हिलते हुए दिखाई दिए। पहले उन्हें लगा कि डिब्बों के पीछे कोई चूहा होगा। पास जाकर देखने पर वहां बड़ा सांप दिखाई दिया। सांप देखते ही महिला तुरंत किचन से बाहर निकल आईं और अपने बेटे आशीष राजपूत को घटना की जानकारी दी।

सूचना पर पहुंची रेस्क्यू टीम: आशीष ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा के निर्देश पर वन्यजीव अभिरक्षक अभिजीत यादव और रेस्क्यूअर मोहित मेहरा मौके पर पहुंचे। टीम ने सावधानीपूर्वक सांप को पकड़ा और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। रेस्क्यू किया गया सांप करीब 7 फीट लंबा इंडियन रैट स्नेक (घोड़ा पछाड़) बताया गया है। यह गैर-विषैला सांप है। रेस्क्यू के बाद उसे वन क्षेत्र में सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। सांप घर की रसोई तक कैसे पहुंचा, इसका पता नहीं चल सका है।

■ रेस्क्यूअर की सुरक्षा को लेकर बैठक:

वन विभाग के अनुसार, रिहायशी इलाकों के आसपास हरियाली और खुले स्थान होने के कारण सांप भोजन या सुरक्षित जगह की तलाश में घरों में प्रवेश कर सकते हैं। घटना के बाद कॉलोनी में भी सांप को लेकर चर्चा रही। वन विभाग ने सांपों का रेस्क्यू करने वालों को सुरक्षा उपकरणों का इस्तेमाल करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, इन निर्देशों का जमीन पर पूरी तरह पालन नहीं होने की बात सामने आई है। वनपरिक्षेत्र अधिकारी अभिषेक शर्मा ने बताया कि सभी रेस्क्यू करने वालों की बैठक बुलाई जाएगी। इसमें रेस्क्यू के दौरान सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य रूप से उपयोग करने और दुर्घटना से बचने के संबंध में विशेष निर्देश दिए जाएंगे।

खेत में पानी बहाने के विवाद में बुजुर्ग की हत्या

सागर,एजेंसी। सागर की गढ़ाकोटा थाना पुलिस ने शनिवार शाम हत्या के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी के कब्जे से वारदात में उपयोग किया लोहे का पाइप और डंडा जब्त किया गया है। आरोपी ने खेत में पानी बहाने के विवाद में मारपीट कर बुजुर्ग की हत्या की थी। पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त को फरियादी ऊधम पिता मानकलाल रैकवार उम्र 35 वर्ष निवासी पांडेर ने थाना गढ़ाकोटा में शिकायत की। शिकायत में बताया कि खेत में पानी बहाने की बात को लेकर हुए विवाद में उसके चाचा मंझले उर्फ कन्हई रैकवार और भतीजे रमेश रैकवार ने उसके पिता मानकलाल रैकवार के साथ लोहे के पाइप व डंडे से मारपीट की। मारपीट में आई चोटों के कारण पिता मानकलाल की मौत हो गई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में लिया। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर प्रमुख सचिव ने किया सीहोर जिले के खेल परिसरों का निरीक्षण

सीहोर,एजेंसी। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा शनिवार को सीहोर जिले का भ्रमण कर जिले में संचालित खेल प्रशिक्षण केंद्रों, खेल आयोजनों तथा निर्मित एवं निर्माणाधीन खेल अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह ने चर्च ग्राउंड फुटबॉल स्टेडियम, इंडोर स्टेडियम, बैडमिंटन हॉल एवं वेटलिफ्टिंग हॉल सहित विभिन्न खेल परिसरों का निरीक्षण किया। उन्होंने खेल सुविधाओं की व्यवस्थाओं एवं खिलाड़ियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद जी की जयंती पर प्रमुख सचिव श्री संजीव सिंह द्वारा उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रमुख सचिव ने खिलाड़ियों एवं खेल से जुड़े अधिकारियों को राष्ट्रीय खेल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए खेल गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा जिले में खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इस अवसर पर तहसीलदार एवं सीहोर अमित सिंह, संभागीय अधिकारी रुबिका दीवान सहित खेल विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बिना नंबर की क्रेटा में 73.72 लाख कैश मिले

रतलाम में युवक को कार समेत थाने लाए, मशीन से गिने नोट; बोला- सोना खरीदने आया था

रतलाम,एजेंसी। मध्यप्रदेश के रतलाम के नामली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम पुलिस ने बिना नंबर की क्रेटा कार से नोटों से भरा बोरा बरामद किया। कार में अकेले मौजूद युवक को कार और नकदी समेत नामली थाने लाया गया। यहां दो नोट गिनने की मशीनें बुलाकर रकम की गिनती की गई। बोरे में 73 लाख 72 हजार 500 रुपए नकद मिले। कार में जावरा के उमटपालिया निवासी मिजान (23), पिता रईस खान था। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि यह रुपए उसके अपने हैं, जो जमीन बेचने के बाद मिले हैं। वह इन्हें लेकर रतलाम किसी काम से गया था और वापस गांव लौट रहा था। पूछताछ में यह बात भी सामने आई है कि वह रतलाम के एक बड़े ज्वेलर्स से सोना खरीदने के लिए नकदी लेकर आया था। हालांकि सौदा नहीं हो सका, जिसके बाद वह वापस अपने गांव जा रहा था। पुलिस

युवक के बयान और नकदी के स्रोत की जांच कर रही है। युवक गांव में एक ढाबे का मालिक है। कार उसके भाई के नाम पर रजिस्टर्ड मिली।

सूचना मिली तो पंचेड़ फंटे पर रोकी कार: पुलिस को बिना नंबर की क्रेटा कार में बड़ी मात्रा में नकदी होने की सूचना मिली थी। इसके बाद शनिवार शाम पंचेड़ फंटे पर कार को रोका गया। तलाशी लेने पर कार में एक बोरा मिला। इसमें 100, 200 और 500 रुपए के नोटों की गड्डियां भरी थीं। पुलिस कार और नकदी को नामली थाने ले आई। रकम की सही जानकारी के लिए सराफा व्यापारियों से दो नोट गिनने की मशीनें मंगाई गईं।

एएसपी बोले- जमीन बेचने के बाद मिले रुपए बताए: एएसपी राकेश पंद्रो ने बताया कि कार चालक ने पूछताछ में कहा है कि वह अपने घर से रतलाम किसी काम के लिए रुपए लेकर गया था। उसने नकदी को जमीन बेचने के बाद मिले अपने रुपए बताया है। युवक से पूछताछ की जा रही है और नकदी से जुड़े तथ्यों की जांच की जा रही है। नोटों में 500 की 135 गड्डी, 200 की 15 गड्डी, 100 की 25 गड्डी और 500 के 5 नोट अलग से थे।

वकील और परिजन भी पहुंचे थाने: मामले की सूचना मिलने के बाद युवक के वकील और अन्य परिजन भी नामली थाने पहुंच गए हैं। पुलिस नकदी के स्रोत और युवक के दावों से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। पुलिस ने आयकर विभाग को भी इसकी सूचना दी है।

इलेक्ट्रॉनिक सामान-बैटरियों से भरे चलते ट्रक में लगी आग

छतरपुर में ड्राइवर ने समय रहते वाहन रोका; 30 मिनट बाद दमकल पहुंची

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में देरी रोड के पास शनिवार देर रात इलेक्ट्रॉनिक सामान और बैटरियों से भरे एक चलते ट्रक में अचानक आग लग गई। ड्राइवर की सूझबूझ और पुलिस-दमकल की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया। जानकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश पासिंग ट्रक क्रमांक क्र85 श्वञ्ज 9702 टीवी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैटरियों की खेप लेकर छतरपुर की ओर आ रहा था। देरी रोड के पास पहुंचते ही ट्रक के पिछले हिस्से से घना धुआं निकलने लगा, जो कुछ ही पलों में ऊंची लपटों में बदल गया। आग देखकर ड्राइवर ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे रोक दिया। स्थानीय लोगों ने तुरंत डायल-100 और फायर ब्रिगेड कंट्रोल रूम को घटना की सूचना दी। 30 मिनट बाद दमकल वाहन पहुंचा सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्काल यातायात को नियंत्रित किया और आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर हटाया। लगभग 30 मिनट बाद दमकल वाहन भी मौके पर पहुंचा। दमकलकर्मियों ने ट्रक का पिछला गेट खोलकर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। पुलिस और दमकल की टीम ने समय रहते आग पर काबू पाकर इसे पूरे कंटेनर में फैलने से रोक दिया। ट्रक के अंदर टीवी, अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के साथ बड़ी संख्या में बैटरियां रखी हुई थीं। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट या किसी तकनीकी खराबी को बताया जा रहा है। घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की सूचना नहीं है। पुलिस ने वाहन को सुरक्षित कर लिया है। ट्रक में लदे इलेक्ट्रॉनिक सामान और बैटरियों को हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान: स्कूल बैग पाकर बच्चों के खिले चेहरे, पढ़ाई के लिए लिया संकल्प

विदिशा,एजेंसी। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शनिवार को कुरवाई ब्लॉक की 26 पंचायतों में शिविर आयोजित किए गए। शिविरों के दौरान 26 पंचायतों की 83 बसाहटों में पहुंचे करीब 4000 बच्चों को कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के प्रयासों से स्कूल बैग वितरित किए गए। नया स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उनकी

मुस्कान और उत्साह देखते ही बन रहा था। शासन द्वारा कक्षा पहली से आठवीं तक अध्ययनरत विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराई जाती हैं, लेकिन स्कूल बैग का प्रावधान नहीं होने के कारण कई बच्चों को किताबें संभालकर स्कूल लाने-ले जाने में परेशानी होती थी। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने स्कूलों के भ्रमण के दौरान बच्चों की इस समस्या को महसूस किया और उनके लिए स्कूल बैग उपलब्ध कराने का बीड़ा उठाया। उनके अभिभावकों में भी प्रसन्नता का माहौल रहा।

तवानगर के जंगल में तेंदुए का मूवमेंट

ग्रामीणों में दहशत, वन विभाग की टीम कर रही निगरानी

इटारसी,एजेंसी। तवानगर क्षेत्र के जंगल में इन दिनों बाघ की गतिविधियां देखी जा रही हैं। तेंदुए का एक वीडियो भी सामने आया है, जो दो से तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। बाघ के लगातार मूवमेंट से आसपास के ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम क्षेत्र में लगातार निगरानी कर रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है। वन विभाग के रेंजर अभिषेक शर्मा ने बताया कि तेंदुआ का मूवमेंट पहले चाटुआ और तवानगर क्षेत्र में देखा गया था। कुछ दिन पहले इसे दौड़ी झुनकार क्षेत्र में भी देखा गया। यह पूरा इलाका जंगल से सटा हुआ है, जहां वन्यजीवों की आवाजाही सामान्य है। वन विभाग ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि वे अकेले जंगल या खेतों की ओर न जाएं। विशेषकर सुबह और शाम के समय अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। ग्रामीणों को समूह में ही खेतों और जंगल क्षेत्र में आने-जाने की हिदायत दी गई है। रेंजर अभिषेक शर्मा के अनुसार, तेंदुए की गतिविधियों पर वन विभाग की टीम लगातार नजर बनाए हुए है। ग्रामीणों को यह भी सलाह दी गई है कि बाघ दिखाई देने पर उसके करीब न जाएं और तत्काल वन विभाग को सूचित करें। तेंदुआ के मूवमेंट की जानकारी सामने आने के बाद जंगल से सटे गांवों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीण खेतों में काम करते समय और जंगल क्षेत्र से आवाजाही के दौरान विशेष सतर्कता बरत रहे हैं।

● राखी मनाकर जा रहा था परिवार ; पुलिस की मदद से राहगीरों ने निकाला

रतलाम में चलती बाइक में घुसा सांप

रतलाम,एजेंसी। जावरा-उज्जैन रोड पर शनिवार दोपहर चलती बाइक में अचानक सांप घुस गया। बाइक पर एक पुरुष के साथ महिला और बच्ची भी सवार थे। सांप के बाइक में घुसने का पता चलते ही चालक ने समय रहते बाइक को सड़क किनारे रोक दिया और परिवार के साथ नीचे उतर गया। इसके बाद डायल-112 को सूचना दी गई। पुलिस ने राहगीरों की मदद से बाइक के इंजन साइड में घुसे सांप को काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला। समय रहते बाइक रुक जाने से बड़ा हादसा टल गया।

इंजन साइड से बाइक में घुसा सांप: बताया गया कि सांप बाइक के अंदर इंजन की तरफ से घुस गया था। चलती बाइक में सांप दिखाई देने के बाद चालक घबरा गया, लेकिन उसने समझदारी दिखाते हुए बाइक को तुरंत

सड़क किनारे रोक दिया। बाइक रोकने के बाद पुरुष, महिला और बच्ची सभी सुरक्षित नीचे उतर गए। इसके बाद डायल-112 को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास मौजूद राहगीरों की मदद से बाइक में सांप की तलाश शुरू की गई।

काफी मशक्कत के बाद बाइक से निकाला: पुलिस और राहगीरों ने काफी मशक्कत के बाद बाइक के अंदर घुसे सांप को बाहर निकाला। सांप के बाहर निकलते ही वह सड़क पर पहुंच गया और कुछ देर बाद सड़क किनारे चला गया। समय रहते सांप को बाइक से बाहर निकाल लिया गया, जिससे बाइक सवार परिवार किसी संभावित खतरे से बच गया।

रक्षा बंधन मनाकर गांव लौट रहा था परिवार: बताया गया कि बाइक पर सवार महिला और बच्ची रक्षा बंधन पर्व मनाकर अपने गांव लौट रहे थे। परिवार के लोग बाइक से जावरा की ओर से उज्जैन रोड पर जा रहे थे। इसी दौरान चलती बाइक में सांप घुस गया। चालक ने समय रहते बाइक रोककर परिवार को नीचे उतार लिया।

सांप निकलने तक सड़क पर रुके वाहन: बाइक से निकलने के बाद सांप कुछ देर सड़क पर ही रहा। उसे देखने के बाद ट्रक समेत अन्य वाहन भी सड़क पर रुक गए। सांप के सड़क से हटकर किनारे जाने के बाद ही वाहनों की आवाजाही दोबारा शुरू हो सकी। समय पर बाइक रोकने और पुलिस की मदद से सांप को बाहर निकालने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

अल्लू अर्जुन की वापसी कितनी धमाकेदार रहने वाली है, यह जानने में अभी वक्त है. फिल्म 'राका' को अगले साल रिलीज किया जाएगा. जिसका अभी तेजी से काम कंप्लीट किया जा रहा है. अल्लू अर्जुन की पिक्चर को एटली डायरेक्ट कर रहे हैं. वहीं, सन पिक्चर्स वाले बतौर प्रोड्यूसर जुड़े हुए हैं. जबकि, अल्लू अर्जुन के अपोजिट दीपिका पादुकोण दिखने वाली हैं. हालांकि, रश्मिका मंदाना और जान्हवी कपूर का भी फिल्म से नाम जुड़ रहा है. इन सबके बीच इस साइंस-फिक्शन एक्शन फिल्म 'राका' का प्रोडक्शन आगे बढ़ रहा है. पिक्चर को लेकर एक्साइटमेंट भी बढ़ता जा रहा है. हाल ही में अपडेट सामने आया कि फिल्म का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया गया है.हाल ही में 123 तेलुगु डॉट कॉम पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि 'राका' की टीम ने मुंबई में शूटिंग का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है. इस शेड्यूल में अल्लू अर्जुन ने सपोर्टिंग कास्ट के साथ अपने किरदार से जुड़े कुछ अहम सीन शूट किए हैं. दरअसल इस सीक्वेंस में हुई शूटिंग में कई अहम सीन्स शामिल थे. जिसमें कई सपोर्टिंग एक्टर्स ने भी हिस्सा लिया था. बीते दिनों पता लगा था कि रश्मिका मंदाना और दीपिका पादुकोण का रोल एक दूसरे से काफी कनेक्टेड होने वाला है. जहां दीपिका की रक्षक के तौर पर वो नजर आएंगी.हाल ही में दीपिका पादुकोण के रोल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया था. जिससे पता लगा था कि 'राका' में दीपिका एक प्रेग्नेंट महिला के किरदार में नजर आएंगी. साथ ही फिल्म में उनके किरदार की कहानी जिंदा रहने की लड़ाई पर होगी, जिसकी रक्षक बनकर रश्मिका मंदाना सामने आएंगी. वहीं, इस सीन को काफी इमोशनली भी जोड़ा जा रहा है. दरअसल उनके किरदार को पौराणिक और वैदिक-युग के माहौल का हिस्सा बताया जा रहा है. बताते चलें कि फिल्म को बड़े लेवल पर बनाया जा रहा. एटली के डायरेक्शन में बन रही पिक्चर को लेकर फैन्स और इंडस्ट्री को भी काफी उम्मीदें हैं.इस अहम शेड्यूल को पूरा करने के बाद,अल्लू अर्जुन हैदराबाद लौट गए हैं. जहां वो कुछ समय आराम करेंगे. और सितंबर में फिर से शूटिंग शुरू करेंगे. दरअसल इस शेड्यूल के लिए एक ग्रैंड सेट भी बनाया गया है. जहां जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा.

साउथ फिल्म इंडस्ट्री के नामी एक्टर महेश बाबू अपनी अपकमिंग फिल्म वाराणसी की शूटिंग में बिजी हैं. ये फिल्म साल 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी. फिल्म का निर्देशन एस एस राजामौली कर रहे हैं. इस फिल्म की शूटिंग लगभग पूरी हो गई है और ऐसा माना जा रहा है कि अक्टूबर 2026 तक इस फिल्म के बचे हुए सीन्स भी शूट हो जाएंगे. वहीं अब म्यूजिक कंपोजर जीवी प्रकाश कुमार ने एक और फिल्म पर बात की है जिसे महेश बाबू ने करते-करते छोड़ दिया था. इस वजह से ही एक्टर एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने से वंछित रह गए.दअसल यश की फिल्म टॉक्सिक इस समय चर्चा में है. इस 500 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म का निर्देशन एक महिला फिल्म निर्देशक ने किया है. वहीं महेश बाबू भी एक फिमेल डायरेक्टर संग काम करने वाले थे लेकिन नहीं कर सके थे. अब म्यूजिक डायरेक्टर जीवी प्रकाश कुमार ने इसपर रिएक्ट किया है.जीवी प्रकाश कुमार की बात करें तो एक्टर विजय को सुधा कोंगारा ने एक स्क्रिप्ट सुनाई थी जो उन्हें पसंद भी आई थी. लेकिन बिजी शेड्यूल के चलते वो इस स्क्रिप्ट पर काम कर नहीं सके थे. उन्हें इस फिल्म के लिए एक साल का समय मांगा गया था जो वे नहीं दे सकते थे. बाद में सुधा ने इस फिल्म के लिए महेश बाबू को भी अप्रोच किया था. लेकिन महेश बाबू भी फिल्म में काम नहीं कर सके थे. ये बात 2021 की है. लेकिन ये तेलुगू फिल्म बनते-बनते रह गई थी और अभी तक इसपर काम नहीं हो सका. अभी की जनरेशन की बात करें तो प्रभास, जूनियर एनटीआर और पवन कल्याण जैसे कलाकार भी कभी फिमेल फिल्ममेकर्स संग काम नहीं कर सके हैं.

सोशल मीडिया क्वीन हैं पलक

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी इन दिनों सोशल मीडिया क्वीन बनने की तैयारी में हैं. वह अलगातार ऐसी तस्वीरें शेयर कर रही हैं कि लोग बाकी सेलेब्स की ब्यूटी को भूलकर उनके दीवाने हुए जा रहे हैं. अब पलक ने एक खूबसूरत रेड एंड वाइट ड्रेस में कराकर लोगों के दिलों पर छुरियां चला दी हैं. पलक ने रेड और व्हाइट कलर की एक ग्लैमरस ड्रेस में काफी इंटेंसिव एक्सप्रेशन देते हुए तस्वीरें शेयर की हैं. इस ड्रेस की बात करें तो यहां पलक ने एक व्हाइट क्रॉप टॉप के साथ एक लुंगी स्टाइल शॉर्ट स्कर्ट पहना हुआ है. इस स्कर्ट को शिमरी फेब्रिक से बनाया गया है. पलक तिवारी की ये तस्वीरें सामने आते ही ये काफी वायरल हो गई हैं. बता दें कि पलक तिवारी, श्वेता तिवारी और उनके पहले पति राजा चौधरी की बेटी हैं. पलक तिवारी की डेब्यू फिल्म रोजी- द सैफ्रॉन चैप्टर इसी महीने रिलीज होने वाली है. इस फिल्म को विशाल मिश्रा ने निर्देशित किया है, जबकि विवेक ओबेरॉय, प्रेरणा वी अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है. ये फिल्म बीते साल रिलीज होनी थी, लेकिन कोरोना लॉकडाउन के कारण इसकी रिलीज टल गई।

अनन्या पांडे ने किया फैशन डिजास्टर

इन दिनों अनन्या पांडे पर बोल्डनेस फीवर चढ़ा हुआ है. वह आए दिन बोल्ड अवतार में नजर आ रही हैं. बीती रात अनन्या पांडे बोल्डनेस के चक्कर में कुछ अजीब सा फैशन कैरी किए नजर आईं. उनकी ये ड्रेस थी तो खूबसूरत लेकिन उनका ये फैशन लोगों की समझ नहीं आया. दरअसल अनन्या पांडे बीती रात धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता के जन्मदिन की पार्टी में देखा गया. अब उनका ये लुक जमकर वायरल हो रहा है. अनन्या पांडे की इस ड्रेस की बात करें तो यह ड्रेस फरहान अख्तर की पार्टी में मलाइका की ड्रेस से काफी मिलती जुलती नजर आ रही है. इस ड्रेस में एक मोनोकनी जैसी ड्रेस के ऊपर से डिजाइन किया हुआ एक ट्रांसपेरेंट फॉल नजर आ रहा है. जो भी हो अनन्या इस ड्रेस में काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं.

अनन्या का इस ड्रेस में एक वीडियो सेलेब्रिटी फोटोग्राफर विरल भयानी ने शेयर किया है. इस वीडियो पर अब लोग अनन्या को ट्रोल कर रहे हैं. यहां एक ने लिखा है, पैंट तो पहन लेतीं.%, दूसरे ने लिखा, बुरी तरह से हॉलीवुड को कॉपी किया. एक शख्स ने इस ड्रेस को डिजास्टर बताया है तो वहीं एक ने तो इसे मॉर्डन स्विमसूट तक कह डाला है. ईशान खट्टर और अनन्या पांडे के रोमांटिक कनेक्शन को लेकर काफी समय से अफवाहें हैं. हालांकि उन्होंने कभी भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनकी एक साथ बार-बार नजर आना, अनन्या का शाहिद कपूर के घर का लगातार दौरा और एक-दूसरे के सोशल मीडिया पोस्ट पर कमेंट करने वाले दो लवबर्ड्स फैंस को हिंट देते हैं कि वे डेटिंग कर रहे हैं. बीती रात दोनों को धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता के जन्मदिन की पार्टी में देखा गया. ऐसा लग रहा था कि पार्टी का कलर-कोड डार्क कलर का था और ईशान और अनन्या ने इसे अच्छी तरह से फॉलो किया.

इन फिल्मों में आएंगे नजर : काम के मोर्चे पर, अनन्या को हाल ही में शकुन बत्रा की गहराइयां में देखा गया था. वह अगली बार पुरी जगन्नाथ की अखिल भारतीय फिल्म लाइगर में विजय देवरकोंडा के साथ नजर आएंगी. दूसरी ओर, ईशान खट्टर के पास पाइपलाइन में फोन भूत है जिसमें कैटरीना कैफ और सिद्धांत चतुर्वेदी भी हैं. वह राजा कृष्ण मेनन की पिप्पा में मृणाल ठाकुर और प्रियांशु पेन्युली के साथ भी दिखाई देंगे।

2026 नहीं 2027 में आएगी थडानी-अभय की लिइके

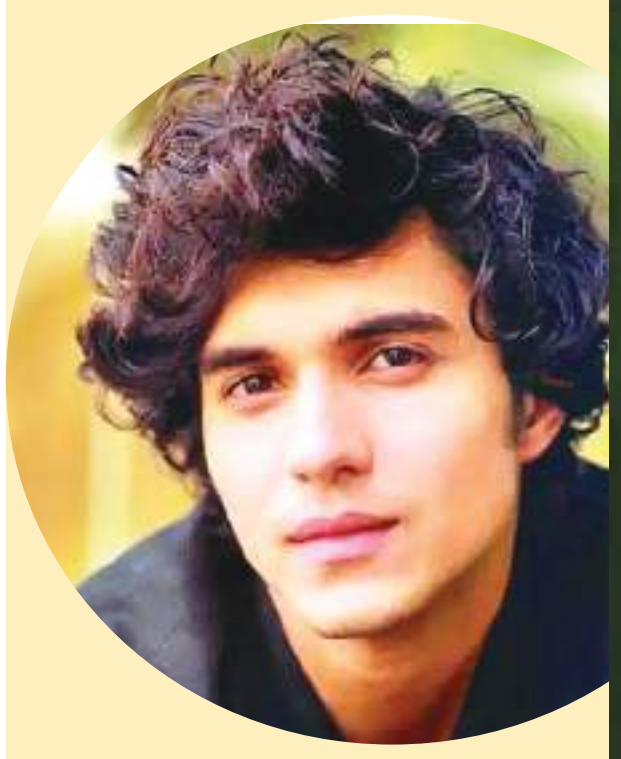

यंग एक्टर्स राशा थडानी और अभय वर्मा की फिल्म लइकी लइका को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है. इस फिल्म को पहले 2026 में रिलीज किया जाना था. अब ये फिल्म साल 2027 में सिनेमाघरों में आएगी.

रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने अपनी एक्टिंग डेब्यू कर लिया है और अब वे इंडस्ट्री में धीरे-धीरे पांव जमाने में लगी हुई हैं. एक्ट्रेस की अपकमिंग फिल्म लइके लइका को लेकर अपडेट आ गया है. इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है. फिल्म पहले साल 2026 में सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी. लेकिन अब इसकी रिलीज को आगे के लिए शिफ्ट कर दिया गया है और ये फिल्म अब 2027 में आएगी. राशा थडानी के अपोजिट इस फिल्म में मुंज्या फिल्म के एक्टर अभय वर्मा नजर आएंगे.दरअसल इसकी वजह राशा की डेब्यू फिल्म आजाद से जुड़ी हुई है. इस फिल्म के गाने उई अम्मा को फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. इसकी वजह था राशा थडानी का शानदार डांस. अब मेकर्स ने लइकी लइका फिल्म में भी राशा की डांस स्किल्स को युटिलाइज करने का मन बना लिया है.रिपोर्ट्स की मानें तो मेकर्स लइकी लइका फिल्म में स्पेशल डांस सॉन्ग चाहते हैं. ऐसे में मेकर्स को थोड़ा समय चाहिए इसलिए ही फिल्म की रिलीज को 2027 के लिए शिफ्ट कर दिया गया है. अब मेकर्स इस फिल्म को फरवरी 2027 में वैलेंटाइन वीक के मौके पर रिलीज करने का प्लान बना रहे हैं ताकि इसे और ऑडियंस भी मिले और फिल्म के सक्सेसफुल होने के चांस भी बढ़ें.

अभय-राशा के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

फिलहाल इस फिल्म के बारे में कोई ज्यादा डिटेल्स नहीं आई हैं. राशा की बात करें तो उनकी डेब्यू फिल्म आजाद थी. इस फिल्म में वे अमन देवगन के अपोजिट नजर आई थीं. उनकी ये फिल्म भी साल की शुरुआत में आई थी लेकिन बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं कर सकी थी. वहीं अभय वर्मा की बात करें तो उन्होंने मुंज्या फिल्म से फैंस के बीच अपनी जबरदस्त पहचान बना ली है. इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी. अब उनके हाथ बड़ी फिल्म लगी है और वो शाहरुख खान की किंग में नजर आएंगे. वहीं हाल ही में वे ऑपरेशन सागर वेब सीरीज का भी हिस्सा थे।

ब्रिटिश मास्टर्स के कट में पहुंचे भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा

ब्रैबाज़ोन कोर्स (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा ने चुनौतीपूर्ण मौसम और लगातार बारिश के बावजूद ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहले दौर में 69 और दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेलकर टूर्नामेंट के कट में आसानी से जगह बना ली।

दो राउंड के बाद शुभंकर का कुल स्कोर चार अंडर है और वह संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर बने हुए हैं। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय गोल्फर ने प्रतियोगिता के अगले दौर में अपनी जगह पक्की कर ली है।

दूसरे दौर में पांच बर्डी से मजबूत प्रदर्शन

शुभंकर शर्मा ने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला। इस दौरान उन्होंने दो बोगी की तुलना में पांच बर्डी लगाईं। लगातार बारिश और मुश्किल मौसम की परिस्थितियों के बीच बर्डी हासिल करना उनके शानदार नियंत्रण और धैर्य को दर्शाता है। हालांकि दूसरे दौर में उन्हें कुछ बोगी का सामना करना पड़ा, लेकिन पांच बर्डी की मदद से उन्होंने अपने स्कोर को नियंत्रण में रखा और कट पार करने में सफल रहे।

चुनौतीपूर्ण मौसम में दिखाया धैर्य

ब्रिटिश मास्टर्स के शुरुआती दो दौर के दौरान मौसम खिलाड़ियों के लिए बड़ी चुनौती बना रहा। बेलफ़ाई में लगातार बारिश के कारण परिस्थितियां मुश्किल थीं और खिलाड़ियों को अपने शॉट्स और रणनीति पर अतिरिक्त ध्यान देना पड़ा। ऐसे हालात में शुभंकर ने अपने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। पहले दौर में 69 का स्कोर बनाने के बाद उन्होंने दूसरे दौर में 71 का कार्ड खेला और चार अंडर के कुल स्कोर के साथ शीर्ष 15 में जगह बनाई।

संयुक्त 13वें स्थान पर शुभंकर

दो राउंड के बाद शुभंकर शर्मा चार अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 13वें स्थान पर हैं। उनका प्रदर्शन उन्हें टूर्नामेंट के अगले चरण में मजबूत स्थिति में रखता है। पहले दौर के 69 और दूसरे दौर के 71 के कार्ड ने उन्हें कट के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। अब उनकी कोशिश अगले दौर में इस लय को बरकरार रखते हुए अपनी रैंकिंग में और सुधार करने की होगी।

युवराज संधू के लिए निराशाजनक सप्ताह

वहीं, प्रतियोगिता में हिस्सा ले रहे दूसरे भारतीय गोल्फर युवराज संधू के लिए यह सप्ताह उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा। उन्होंने पहले दौर में 71 का कार्ड खेला, लेकिन दूसरे दौर में उनका प्रदर्शन गिर गया और उन्होंने 77 का कार्ड दर्ज किया। दोनों राउंड के बाद युवराज कट हासिल करने में सफल नहीं हो सके और उनका टूर्नामेंट यहीं समाप्त हो गया।

शुभंकर से अब बड़ी उम्मीदें

शुभंकर शर्मा का कट हासिल करना भारतीय गोल्फ के लिए सकारात्मक खबर है। चार अंडर के कुल स्कोर और संयुक्त 13वें स्थान के साथ वह टूर्नामेंट में अच्छी स्थिति में हैं। लगातार बारिश और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उन्होंने जिस तरह शुरुआती दो राउंड में प्रदर्शन किया, उससे अब प्रतियोगिता के आगे के चरणों में उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। शुभंकर की नजर अब अपनी स्थिति को और मजबूत करने और टूर्नामेंट के अंतिम दौर तक प्रभावी प्रदर्शन करने पर होगी।

अर्जेंटीना की टीम बनी चैंपियन

● *महिला हॉकी विश्वकप: नौ बार की चैंपियन नीदरलैंड को शूटआउट में हराया*

एम्सटेलवीन, एजेंसी। अर्जेंटीना ने शनिवार को रोमांचक फाइनल में सह-मेजबान नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर महिला हॉकी विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। निर्धारित समय में दोनों टीमें 1-1 से बराबर रहीं, जिसके बाद मुकाबले का फैसला शूटआउट से हुआ। अर्जेंटीना ने शूटआउट में संयम दिखाते हुए बाजी मार ली और तीसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

अर्जेंटीना की ओर से विक्टोरिया ग्रानाटो, ब्रिसा ब्रगेसेर और सोफिया काइरो ने गोल किए। वहीं डियाज जो का प्रयास अमान्य करार दिया गया। नीदरलैंड के लिए केवल वीन मारिन गोल कर सकीं, जबकि पियेन सैंडर्स, फेलिस अलबर्स और मोएस फ्रीके अपने प्रयासों को गोल में नहीं बदल सकीं।

इस जीत के साथ अर्जेंटीना ने पिछली बार की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया। पिछले विश्व कप में नीदरलैंड ने अर्जेंटीना को 3-1 से हराकर खिताब जीता था। खास बात यह है कि अर्जेंटीना ने इससे पहले 2002 और 2010 में भी नीदरलैंड को हराकर विश्व कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। नौ बार की विश्व चैंपियन नीदरलैंड के पास रिकॉर्ड 10वां खिताब जीतने का मौका था, लेकिन अर्जेंटीना ने उसके अभियान पर विराम लगा दिया। लगातार चौथी बार विश्व कप जीतने का डच टीम का सपना भी टूट गया।

यिब्बी के गोल से नीदरलैंड आगे

वेगनेर स्टेडियम में नारंगी रंग से सराबोर दर्शकों के सामने नीदरलैंड ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की। शुरुआती 15 मिनट में दोनों टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। दूसरे क्वार्टर के आखिरी मिनट में नीदरलैंड को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला। दुनिया की नंबर एक ड्रैग-फ्लिकर मानी जाने वाली यिब्बी यानसेन ने शानदार ड्रैग फ्लिक लगाकर गेंद को गोल में पहुंचा दिया। यह टूर्नामेंट में उनका आठवां गोल था और नीदरलैंड ने 1-0 की बढ़त बना ली।

ग्रानाटो ने दिलाई बराबरी

ब्रेक के बाद अर्जेंटीना ने लगातार दबाव बढ़ाया। उसे कई पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन नीदरलैंड की अनुभवी गोलकीपर एन्ने वीनेंनडाल ने शानदार बचाव करते हुए अर्जेंटीना को बराबरी करने से रोके रखा। अर्जेंटीना ने हमले जारी रखे और मैच के 54वें मिनट में आखिरकार उसे सफलता मिली। गोरजेलानी की फ्लिक को रोकने की कोशिश में डच गोलकीपर फिसल गईं और गोल के पास मौजूद कप्तान मारिया ग्रानाटो ने रिबाउंड पर गेंद को गोल में डाल दिया। स्कोर 1-1 हो गया।

शूटआउट में डच खिलाड़ियों पर दबाव

इसके बाद दोनों टीमों ने निर्णायक बढ़त हासिल करने की कोशिश की, लेकिन कोई गोल नहीं हुआ। मुकाबला शूटआउट में पहुंचा, जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। नीदरलैंड की ओर से सिर्फ वीन मारिन सफल रहीं। इसके बाद अर्जेंटीना के गोल और डच खिलाड़ियों के चूके प्रयासों ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अंततः अर्जेंटीना ने 3-1 से शूटआउट जीतकर तीसरी बार विश्व कप ट्रॉफी उठा ली।

साइकिल चलाते दिखे कोच गंभीर, दिया बड़ा संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने देश में फिटनेस को बढ़ावा देने वाली सरकार की 'फिट इंडिया' पहल की जमकर सराहना की है। रविवार को दिल्ली में आयोजित 'संडे ऑन साइकिल विद रन एंड राइड' कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए गंभीर ने कहा कि फिटनेस को केवल किसी एक दिन या कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उनके मुताबिक, स्वस्थ और फिट नागरिक ही मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की नींव बन सकते हैं।

गौतम गंभीर ने केंद्रीय मंत्री मनसुख एल. मंडाविया और अभिनेत्री मधुरिमा तुली के साथ साइकिलिंग पहल में हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने, शारीरिक गतिविधियों में हिस्सा लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना था। क्रिकेट के मैदान पर फिटनेस और अनुशासन को बेहद अहम मानने वाले गंभीर ने खुद इस अभियान में शामिल होकर लोगों को सक्रिय जीवनशैली का संदेश दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में फिटनेस प्रेमियों और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।

गंभीर ने 'फिट इंडिया' पहल को लेकर कहा कि इसका महत्व किसी एक आयोजन से कहीं ज्यादा है। उन्होंने इसे एक ऐसे अभियान के रूप में देखने की अपील की, जिसे लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। गंभीर ने कहा, 'सरकार की ओर से आयोजित यह फिट इंडिया कार्यक्रम एक शानदार पहल है, क्योंकि मेरा मानना है कि भारत जितना फिट होगा, उतना ही मजबूत होगा और उतना ही अधिक आत्मनिर्भर बनेगा।

छांगटे को 'इंडियन फ़ुटबॉलर ऑफ़ द ईयर 2026' का मिला खिताब

मिज़ोरम के फ़ुटबॉल खिलाड़ी लालियानज़ुआला छांगटे को साल 2026 का सर्वश्रेष्ठ भारतीय फ़ुटबॉलर चुना गया है। 29 वर्षीय चांगते हाल ही में मुंबई फ़ुटबॉल क्लब से मोहन बागान में शामिल हुए हैं। उन्होंने कल रात भारतीय फ़ुटबॉल के दिग्गज खिलाड़ी बाइचुंग भूटिया से यह सम्?मान मिला है। फ़ुटबॉल प्लेयर्स एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया द्वारा आयोजित यह पुरस्कार साथी खिलाड़ियों के वोटों के आधार पर तय किया जाता है।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स का बड़ा फैसला

ब्रावो की जर्सी नंबर 47 अब कोई नहीं पहन सकेगा

त्रिनिदाद। कैरेबियन क्रिकेट के दिग्गज ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को त्रिनबागो नाइट राइडर्स ने ऐसा सम्मान दिया है, जो कैरेबियन प्रीमियर लीग के इतिहास में इससे पहले किसी खिलाड़ी को नहीं मिला। फ्रेंचाइजी ने ब्रावो की मशहूर नंबर 47 जर्सी को हमेशा के लिए रिटायर करने का फैसला किया है। टीम ने यह कदम ब्रावो के फ्रेंचाइजी, सीपीएल और त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट में असाधारण योगदान के सम्मान में उठाया।

पहली बार किसी खिलाड़ी की जर्सी रिटायर

जमैका किंग्समेन के खिलाफ मुकाबले से पहले आयोजित समारोह में नाइट राइडर्स ग्रुप के सीईओ वेंकी मैसूर ने इस फैसले की घोषणा की। इसके साथ ही ब्रावो सीपीएल इतिहास में जर्सी रिटायर होने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। मैसूर ने कहा, 'नाइट राइडर्स और सीपीएल में ड्वेन ब्रावो के योगदान को मापना असंभव है। नंबर 47 को रिटायर करना यह सुनिश्चित करने का हमारा तरीका है कि उनकी विरासत हमेशा इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनी रहे। सीपीएल इतिहास में यह सम्मान पाने वाला उनसे बेहतर खिलाड़ी कोई और नहीं हो सकता।'

पांच बार बने सीपीएल चैंपियन

ब्रावो का सीपीएल करियर खिताबों से भरा रहा है। उन्होंने 2015 के बाद खिलाड़ी के तौर पर कुल पांच सीपीएल खिताब जीते। त्रिनबागो नाइट राइडर्स के कप्तान के रूप में उन्होंने 2017 और 2018 में लगातार दो खिताब दिलाए। इसके बाद 2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को सीपीएल चैंपियन बनाया। ब्रावो ने 2013 से 2024 तक सीपीएल में हिस्सा लिया और इस दौरान त्रिनबागो नाइटराइडर्स तथा सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए कुल 107 मुकाबले खेले।

त्रिनबागो नाइटराइडर्स के मुख्य कोच हैं ब्रावो

खिलाड़ी के तौर पर फ्रेंचाइजी को ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले ब्रावो अब टीम के मुख्य कोच की भूमिका निभा रहे हैं। यानी मैदान पर उनकी जर्सी भले ही रिटायर हो गई हो, लेकिन टीम के साथ उनका रिश्ता अभी भी कायम है। सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में ब्रावो तीसरे स्थान पर हैं। उनसे आगे सुनील नरेन (139 मैच) और इमरान ताहिर (135 मैच) हैं।

पूरन ने बताया 'बिग ब्रदर'

मौजूदा त्रिनबागे नाइटराइडर्स कप्तान निकोलस पूरन ने भी ब्रावो के योगदान को याद किया। फ्रेंचाइजी द्वारा जारी वीडियो में पूरन ने कहा, 'प्रेरणा और आदर्श बनने के लिए धन्यवाद। हम बहुत खुश हैं कि आप हमारे साथ हैं। हमारे बड़े भाई बनने के लिए धन्यवाद। कई मौकों पर पिता की तरह हमारा मार्गदर्शन करने के लिए धन्यवाद। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मेरी जिंदगी में प्रेरणा बनने के लिए धन्यवाद।'

ईशान किशन को चोट लगी, वैभव सूर्यवंशी ने कप्तानी संभाली

दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन का स्कोर- 81/3, रजत पाटीदार 12 रन बनाकर आउट

बेंगलुरु (एजेंसी)। ईस्ट जोन और सेंट्रल जोन के बीच दलीप ट्रॉफी का सेमीफाइनल खेला जा रहा है। मैच के पहले ही दिन ईस्ट जोन के कप्तान ईशान किशन चोटिल हो गए। इसके बाद 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने टीम की कमान संभाली।

बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में खेले जा रहे मुकाबले में ईस्ट जोन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। सेंट्रल जोन ने पहले सेशन में 3 विकेट पर 81 रन बनाए। टीम के कप्तान रजत पाटीदार सिर्फ 12 रन बनाकर मुकेश कुमार की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

सूर्यवंशी पहली बार कप्तानी कर रहे

सूर्यवंशी ने पहली बार किसी सीनियर पुरुष टीम की कप्तानी संभाली है। सूर्यवंशी का यह सिर्फ दूसरा दलीप ट्रॉफी मैच है।वह अब तक नौ फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं। उन्होंने 2024 की शुरुआत में रणजी ट्रॉफी के दौरान इस फॉर्मेट में ऐतिहासिक डेब्यू किया था और वह इस फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल हैं।

ईशान किशन की कलाई में लगी गेंद

विकेटकीपिंग करते समय ईशान किशन के दाहिने हाथ की कलाई पर गेंद लगी। फिजियो ने उनकी जांच की। इसके बाद किशन ने मैदान से बाहर जाने का फैसला किया। कुछ देर बाद किशन के हाथ पर स्प्रैपिंग बंधी दिखाई दी। उनकी जगह कुमार कुशाग्र विकेटकीपिंग कर रहे।

वैभव ने पिछले मैच में 2 विकेट लिए थे

वैभव ने नॉर्थ-ईस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में 3 ओवर में 11 रन देकर 2 विकेट लिए थे। हालांकि बतौर बल्लेबाज वे पहली पारी में सिर्फ 8 रन बना सके। ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गावस्कर बोले- टेस्ट में नो-बॉल फेंकने पर जुर्माना लगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने गेंदबाजों को नो-बॉल डालने से रोकने के लिए अनोखा फॉर्मूला दिया है। गावस्कर ने कहा कि हर नो-बॉल पर खिलाड़ी पर जुर्माना लगे और अगली गलती पर इसे दोगुना कर दिया जाए। साथ ही उन्होंने गेंदबाजी कोच को भी आधा जुर्माना देने का सुझाव दिया। गावस्कर ने मिड-डे के अपने कॉलम में लिखा- 'इकट्ठा हुई रकम का इस्तेमाल खिलाड़ियों के अलग होने से पहले होने वाले टीम डिनर में किया जा सकता है।' उन्होंने कहा- ऐसी मजेदार गतिविधि से खिलाड़ियों के बीच रिश्ता और मजबूत होगा। दरअसल श्रीलंका टेस्ट सीरीज में भारतीय गेंदबाजों ने कुल 20 नो-बॉल डाले। पहले टेस्ट में 7 और दूसरे में 13 नो-बॉल फेंके गए। पिछले 5 साल में रवींद्र जडेजा 88 से ज्यादा नो-बॉल डाल चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज भारत 1-0 से जीता। कोलंबो में खेला गया दूसरा टेस्ट ड्रॉ रहा था। गावस्कर ने दूसरी गलतियों पर भी जुर्माना लगाने को कहा। उन्होंने लिखा- ओवरथ्रो पर बैकअप न देने जैसी गलतियों पर भी टीम वोटिंग से जुर्माना तय किया जा सकता है।% गावस्कर ने साफ किया कि रन-अप मापने के लिए टेप उपलब्ध रहता है, इसलिए क्रीज से आगे पैर निकलने का कोई बहाना नहीं चलेगा। नो-बॉल की परेशानी पर भारतीय स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने मजाक करते हुए कहा था कि इसे रोकने के लिए टेस्ट में भी फ्री-हिट शुरू कर देनी चाहिए। इससे गलती रोकने में मदद मिलेकी। गावस्कर ने बहुतुले के इस विचार को खारिज किया। उन्होंने कहा कि टेस्ट में बल्लेबाजों को मुफ्त के रन देने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

स्पीच देते समय रो पड़े, कहा- यह जिंदगी का सबसे बड़ा सम्मान, 20 ग्रैंड स्लैम जीते

रोड आइलैंड (एजेंसी)। पूर्व टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर को टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया। इस दौरान फेडरर स्पीच देते हुए कई बार भावुक हो गए। 45 साल के फेडरर अपनी स्पीच में विरोधियों, अधिकारियों और प्रशंसकों को याद किया। परिवार और दोस्तों को थैंक्यू कहते समय वे रो पड़े।

अमेरिकी स्टेट रोड आइलैंड के न्यूपोर्ट में शनिवार को हुए समारोह में फेडरर ने कहा- यह मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। इसे हॉल ऑफ फेम कहा जाता है, लेकिन यश पाना कभी मेरा लक्ष्य नहीं था। मेरा लक्ष्य था कि मैं अपनी जिंदगी उस काम को करते हुए बिताऊं, जिससे मुझे प्यार है और जिन लोगों को भी उससे उतना ही प्यार है, उनके साथ रहूं।

स्विट्जरलैंड के फेडरर ने 2022 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने करियर में 20 ग्रैंड स्लैम और 103 एटीपी चैंपियनशिप जीती।

5 हजार हेडबैंड, 7 हजार जोड़ी मोजे पहने

फेडरर ने अपने करियर के कुछ अनोखे आंकड़े शेयर किए। उन्होंने बताया कि 1998 में एटीपी टूर की शुरुआत से लेकर 2022 में संन्यास लेने तक उन्होंने 5,000 से ज्यादा हेडबैंड पहने। फेडरर ने यह भी बताया कि वे मैच के दौरान एक साथ दो-दो मोजे पहनते थे। उन्होंने अपने करियर में 7 हजार से ज्यादा जोड़ी मोजे इस्तेमाल किए।

फेडरर ने अपने सफर को याद करते हुए कहा- 'टेनिस में इस मुकाम तक पहुंचने के अहसास को शब्दों में बयां करना या किसी पैमाने से मापना नामुमकिन है। मेरा सफर बेसल में महज 13 साल की उम्र में एक एटीपी टूर्नामेंट में बॉल बॉय बनने से शुरू हुआ था।'

परिवार को थैंक्यू कहते हुए रो पड़े

फेडरर ने कहा- मैं हर उस बॉल किड को धन्यवाद देना

चाहता हूं, जो मेरे किसी भी मैच के दौरान घंटों तक खड़ा रहा। मैं आपको देखता हूं। मैं आपको धन्यवाद देता हूं। मैं भी कभी आपकी जगह था।

अपने आदर्श स्टीफन एडबर्ग, टेनिस के दूसरे सितारों, परिवार और करियर में साथ देने वाले स्टाफ का नाम लेते हुए फेडरर की आंखों में आंसू आ गए। इसके बाद उन्होंने मजाक करते हुए कहा- मुझे अभी टिश्यू, धूप के चश्मे और खुद को बचाने के लिए हर चीज की जरूरत है। यह सब बहुत गड़बड़ हो गया है।

टेनिस हमेशा उनकी जिंदगी का हिस्सा रहेगा

फेडरर ने कहा- 'जैसा कि आप देख सकते हैं, मैं अब भी टेनिस को अपना प्रेम पत्र लिख रहा हूं। खिलाड़ी के तौर पर मेरा समय खत्म हो गया है, लेकिन टेनिस हमेशा उन सभी चीजों के बीच रहेगा, जिनकी मुझे सबसे ज्यादा परवाह है।'

उन्होंने कहा- इसमें मेरा परिवार, हमारी दोस्ती, पिछले 40 साल और वह भविष्य शामिल है, जिसे हम बना रहे हैं। मेरे लिए टेनिस ही इन सबका जिम्मेदार है।

2019 में क्वार्टर फाइनल में हारे थे, फिर स्ओपन नहीं खेला

फेडरर ने 2019 स्ओपन में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। उन्हें ग्रिगोर दिमित्रोव ने हराया था। उस समय माना जा रहा था कि फेडरर आगे भी न्यूयॉर्क के इस टूर्नामेंट में खेलेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।वे 2020 स्ओपन में नहीं खेले और 2021 में विंबलडन उनका आखिरी ग्रैंड स्लैम रहा। 2022 में उन्होंने प्रोफेशनल टेनिस से संन्यास ले लिया था।

नकली घी बनाने वाली कंपनियों का नया तरीका

भोपाल । नकली घी के कारोबार में अब सिर्फ मिलावट ही नहीं, बल्कि उसे सही साबित करने का भी पूरा खेल सामने आ रहा है। बाहर से आने वाले घी के कारोबारी और कंपनियां स्थानीय डीलरों को अपने उत्पाद की लैब रिपोर्ट उपलब्ध करा रहे हैं। इन रिपोर्ट में घी को निर्धारित मानकों पर खरा बताया जाता है। यही रिपोर्ट डीलर आम ग्राहकों से लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम के निरीक्षण के दौरान भी अधिकारियों को दिखा रहे हैं। लेकिन विभाग इन रिपोर्ट के भरोसे नहीं रुक रहा। नमूनों की गहन जांच कराई जा रही है, जिससे घी की वास्तविक गुणवत्ता और उसमें की गई मिलावट का पता लगाया जा रहा है।खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार भोपाल सहित पूरे मध्यप्रदेश में बाहर से आने वाले घी पर विशेष निगरानी के दौरान यह तरीका सामने आया है। गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, उत्तरप्रदेश और आसपास के राज्यों से घी मध्यप्रदेश के बाजारों में पहुंच रहा है। कारोबारियों की ओर से डीलरों को यह भरोसा दिलाने के लिए लैब रिपोर्ट दी जा रही है कि उनका उत्पाद मानकों के अनुसार है। अधिकारियों के सामने जांच के दौरान भी ऐसी रिपोर्ट प्रस्तुत की जा रही हैं।चार जांच में पास दिखाकर बेचने की कोशिशअधिकारियों के अनुसार घी की सामान्य गुणवत्ता जांच में आरएम (रीशर्ट-मिसल वैल्यू), बीआर (ब्यूटिरो-रिफ्रैक्टोमीटर रीडिंग), आयोडीन वैल्यू और मॉइस्चर जैसे प्रमुख मानकों की जांच होती आई है। मिलावट करने वाले कारोबारी इन मानकों को ध्यान में रखकर उत्पाद तैयार कर रहे हैं, ताकि सामान्य जांच में उत्पाद मानक के करीब दिखाई दे। यही वजह है कि अब विभाग सिर्फ कारोबारी की ओर से दिखाई गई रिपोर्ट पर निर्भर नहीं रह रहा। एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) के मानकों में घी के लिए इनसे आगे भी कई परीक्षण निर्धारित हैं। इनमें दूध की वसा से जुड़े मानकों के साथ फैटी एसिड कंपोजिशन और बीटा-सिटोस्टेरोल जैसे संकेतकों की जांच महत्वपूर्ण है। वनस्पति तेल की मिलावट पकड़? के लिए बीटा-सिटोस्टेरोल को महत्वपूर्ण मार्कर माना जाता है।

यूजर फीस के नए प्रावधान से बढ़ेगा सफर का खर्च, टोल से अलग होगी वसूली

अब स्टेट हाईवे पर भी देना होगा ज्यादा पैसा

भोपाल । मध्यप्रदेश में स्टेट हाईवे पर सफर करने वाले वाहन चालकों और माल परिवहन करने वालों की जेब पर आने वाले दिनों में अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। राज्य सरकार ने स्टेट हाईवे के इस्तेमाल पर यूजर फीस वसूलने का रास्ता साफ कर दिया है। इसके लिए मध्यप्रदेश स्टेट हाईवे एक्ट में संशोधन किया गया है और मध्यप्रदेश राजमार्ग (संशोधन) विधेयक-2026 का गजट नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। नए प्रावधान लागू होने के बाद सरकार किसी भी स्टेट हाईवे या उसके किसी हिस्से को यूजर फीस के दायरे में ला सकेगी। खास बात यह है कि यह शुल्क मौजूदा टोल और वैट से अलग होगा। ऐसे में सडक से गुजरने वाले वाहनों के लिए परिवहन लागत बढ? की संभावना है।

संशोधित कानून की धारा 8-ए के तहत राज्य सरकार स्टेट हाईवे या उसके किसी हिस्से के इस्तेमाल से जुड़ी सेवाओं के लिए निर्धारित दरों पर यूजर फीस लगा सकेगी।

सरकार सडक के विकास, रखरखाव, प्रबंधन और संचालन के लिए किसी एजेंसी या निजी संस्था के साथ समझौता भी कर सकेगी। समझौते के तहत संबंधित एजेंसी या व्यक्ति को यूजर फीस वसूलने और तय शर्तों के अनुसार उसका हिस्सा अपने पास रखने का अधिकार दिया जा सकता है। यानी भविष्य में किसी स्टेट हाईवे पर वाहन चालक को मौजूदा टोल के अलावा यूजर फीस भी देनी पड़ सकती है। हालांकि शुल्क किन सडकों पर और कितनी दर से लगाया जाएगा, यह सरकार के आगामी निर्णयों पर निर्भर करेगा।

फीस तय करने के कई आधार

यूजर फीस की दर मनमाने तरीके से तय नहीं होगी। इसके लिए सडक निर्माण और रखरखाव की लागत, प्रबंधन एवं संचालन खर्च, निवेश की गई पूंजी पर ब्याज, उचित रिटर्न, सडक पर वाहनों की संख्या और समझौते की अवधि जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाएगा। सरकार का तर्क है कि स्टेट हाईवे के विकास और रखरखाव में लगातार बढ़ रहे निवेश को देखते हुए इसके लिए अतिरिक्त और व्यवस्थित राजस्व स्रोत जरूरी है।

पेंशन फाइल अटकी तो अब अफसर की तय होगी जिम्मेदारी

भोपाल । रिटायरमेंट के बाद पेंशन के लिए दफ्तरों के चक्कर लगाने वाले कर्मचारियों को राहत देने के लिए सरकार ने पूरी प्रक्रिया की समय-सीमा बांध दी है। अब पेंशन फाइल किस अधिकारी के पास कितने दिन से अटकी है, इसका हिसाब ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज होगा और तय समय में कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित स्तर की जवाबदेही तय की जाएगी।वित्त विभाग ने राज्य केन्द्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल (एससीपीपीसी) के तहत ऑनलाइन पेंशन प्रकरणों के निराकरण के लिए क्रिएटर, वेरीफायर और एप्रूवर- तीनों स्तरों की अलग-अलग डेडलाइन तय की है। सामान्य नए पेंशन प्रकरण को अधिकतम 15 कार्य दिवस में पूरा करना होगा। यानी एक स्तर पर फाइल रोककर दूसरे स्तर पर भेजने में अनावश्यक देरी की गुंजाइश कम होगी।

राज्यों के बीच अब एआई से खेती की होड़ तेज, मप्र में 1.14 करोड़ किसान जुड़े

फार्मर आईडी में मध्य प्रदेश तीसरे नंबर पर

भोपाल । किसानों की डिजिटल पहचान (फार्मर आईडी) बनाने के अभियान में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया है। राज्यवार आंकड़ों के अनुसार मध्य प्रदेश में 1.14 करोड़ फार्मर आईडी बन चुकी थीं और राज्य देश में तीसरे स्थान पर था। उत्तर प्रदेश में 2.44 करोड़ और महाराष्ट्र में 1.35 करोड़ डिजिटल किसान पहचान बनाई गईं। इन तीन राज्यों में ही देश की कुल फार्मर आईडी का करीब आधा हिस्सा दर्ज है।

केंद्र सरकार के अनुसार तीन अगस्त 2026 तक देश में 10.31 करोड़ से अधिक फार्मर आईडी बनाई जा चुकी हैं। 20 जुलाई तक देश में बनी 10.18 करोड़ आइडी में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी 48.3 प्रतिशत थी। इसके बाद राजस्थान में 87.23 लाख, कर्नाटक में 64.44 लाख और गुजरात में 62.25 लाख फार्मर आइडी दर्ज की गईं।

अब एआई से फायदा पहुंचाने की दौड़

फार्मर आईडी को एग्रीस्टैक (किसानों और कृषि से जुड़ी जानकारी का डिजिटल ढांचा) के तहत किसान के विवरण और डिजिटाइज्ड भूमि अभिलेखों से जोड़ा जा रहा है। इसका उपयोग पीएम-किसान, फसल बीमा, एमएसपी आधारित खरीदी, कृषि ऋण, कृषि आदान, मौसम सलाह

और आपदा राहत जैसी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने के लिए किया जाता है। अब राज्यों के बीच अगली होड़ इस डिजिटल डेटा के बेहतर उपयोग को लेकर है। महाराष्ट्र ने एग्रीस्टैक का उपयोग योजना वितरण और एआइ आधारित कृषि सलाह तक के लिए शुरू किया है। मध्य प्रदेश भी कृषि में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तैयारी तेज कर रहा है। आईआईटी इंदौर में एग्रीहब के जरिए एआई, मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग आधारित कृषि समाधान, नवाचार और स्टार्टअप विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भी फसल उत्पादन के अनुमान में एआइ और मशीन लर्निंग के उपयोग को बढ़ाया जा रहा है। ऐसे में फार्मर आइडी के मामले में तीसरे स्थान पर पहुंचने के बाद मध्य प्रदेश के सामने अगली बड़ी चुनौती इस विशाल डिजिटल किसान डेटा को व्यक्तिगत कृषि सलाह और तेज सेवा वितरण में बदलने की है।

10 साल में चौथी बार अगस्त में नहीं छलका बड़ा तालाब

भोपाल । अगस्त का महीना खत्म होने को है, लेकिन भोपाल के बड़े तालाब का जलस्तर अभी तक उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाया है, जहां से भदभदा डैम के गेट खोलने की जरूरत पड़े। तालाब का पानी फुल टैंक लेवल (एफटीएल) से करीब तीन इंच नीचे बना हुआ है। ऐसे में अब भदभदा के गेट खुलने की उम्मीद सितंबर की बारिश और तालाब में आने वाली पानी की आवक पर टिकी है।बड़ा तालाब भोपाल की जलापूर्ति व्यवस्था के साथ शहर की पहचान से भी जुड़ा हुआ है। मानसून के दौरान जब तालाब एफटीएल तक पहुंचता है और पानी की आवक लगातार बनी रहती है, तब अतिरिक्त पानी को भदभदा डैम के गेटों के जरिए आगे छोड़ा जाता है। इस दौरान गेट खुलने का नजारा शहरवासियों के लिए खास आकर्षण रहता है। इस साल अगस्त के अंतिम दिन तक गेट नहीं खुलने से पिछले एक दशक के आंकड़ों में एक बार फिर असामान्य स्थिति दिखाई दे रही है। उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार 10 साल में यह

चौथा मौका है, जब अगस्त खत्म होने तक भदभदा के गेट नहीं खुले हैं और सितंबर में गेट खुलने की संभावना बनी है।

2023 और 2025 में सितंबर में खुले थे गेट

पिछले वर्षों के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो गेट खुलने की तारीखों में काफी अंतर रहा है। वर्ष 2016 में 25 जुलाई को ही पहली बार गेट खोलने पड़े थे। 2022 में भी 23 जुलाई को गेट खोले गए थे। इसके विपरीत 2017, 2018 और 2021 में पूरे मानसून के दौरान गेट खोलने की स्थिति नहीं बनी। 2019 में 10 अगस्त और 2020 में 22 अगस्त को पहली बार गेट खोले गए थे। वर्ष 2023 में स्थिति अलग रही और 23 सितंबर को पहली बार भदभदा के गेट खुले। 2025 में भी 6 सितंबर को पहली बार गेट खोलने पड़े थे। यानी पिछले कुछ वर्षों में सितंबर तक गेट खुलने में देरी के मामले सामने आ चुके हैं। इस साल भी अगस्त बीतने के बाद यही स्थिति बनती नजर आ रही है।

2024 में अगस्त की शुरूआत में ही खोलने पड़े थे पांच गेट

वर्ष 2024 में इसके ठीक उलट स्थिति थी। उस साल दो अगस्त को ही तालाब में पानी की आवक और जलस्तर बढ? के कारण भदभदा के पांच गेट खोलने पड़े थे। इससे साफ है कि मानसून के दौरान बारिश के वितरण और कैचमेंट क्षेत्र में हुई वर्षा का बड़ा असर तालाब के जलस्तर पर पड़ता है। इस साल अगस्त के अंतिम सप्ताह तक तालाब एफटीएल से करीब तीन इंच नीचे है। ऐसे में फिलहाल गेट खोलने की स्थिति नहीं बनी है।

बारिश बढ़ी तो बदल सकती है स्थिति

नगर निगम तालाब के जलस्तर और बारिश की स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है। अधिकारियों के अनुसार गेट खोलने का निर्णय केवल कैलेंडर की तारीख देखकर नहीं लिया जाता। इसके लिए तालाब का जलस्तर, एफटीएल तक पानी पहुंचने की स्थिति और लगातार होने वाली पानी की आवक को देखा जाता है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर छाप साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)